डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.६२ आर.एन.आई.संख्या ४०३६७/८४ नेट संस्करण www awajdarpan.com पर पढें

साप्ताहिक

आवाज दर्पण

प्रत्येक रविवार

बस्ती (उ.प्र.) वर्ष ४९ अंक ३४ रविवार ११ अगस्त से १७ अगस्त २०२४ मूल्य तीन-रुपये

बस्ती में सकिय है दुराचार का आरोप लगाकर निर्दोषों से ठगी करने वालों का गिरोह..!

संवाददाता–बस्ती। जनपद में महिलाओं को रूपया दिलाने का लालच देकर निर्दोष लोगों को दुराचार तक के मामलों में षड़यंत्र पूर्वक फंसाने और दबाव बनाकर धन उगाही कराने का गिरोह सक्रिय है। अनेक लोग ऐसे षड़यंत्रकारियों के चंगुल में फंसकर तबाह और बरबाद हो रहे हैं और उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा से खिलवाड़ किया जा रहा है। गुरूवार को पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र की करमा निवासिनी मिथलेश पत्नी राम गोपाल ने पुलिस अधीक्षक को शपथ पत्र के साथ प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। मिथलेश ने बताया कि पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुये कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

एसपी को दिये शपथ पत्र और प्रार्थना पत्र में मिथलेश ने कहा है कि उसने गत 20 जुलाई 2024 को एक प्रार्थना पत्र पुलिस अधीक्षक को दिया था जो गलत है। वह 20 जुलाई को अपने निजी काम से बस्ती कचहरी गयी थी वहां पर उससे गौर थाना क्षेत्र के ढोढरी निवासी दिलीप पाण्डेय मिले और उनके साथ में दो लोग और थे जो अपने को पत्रकार बता रहे थे । कहा कि तुम्हारा कौन सा काम है जो नही हो रहा है। अगर तुम हमारा एक काम कर दो तो हम चलकर आपका सारा काम करवा देंगे तथा तुमको काफी पैसा भी दिलवा देंगे । इसी लालच में आकर उसने जो दिलीप पाण्डेय ने कहा और टाईप कराकर जो प्रार्थना पत्र लाए उस अपना हस्ताक्षर बना दिया। उस प्रार्थना पत्र को उसने पढा नहीं था। बाद में दिलीप पाण्डेय द्वारा बताया गया तब उसने मना कर दिया

तो उसे डराने व धमकाने लगे जबकि जो प्रार्थना पत्र दिया गया वह गलत एवं फर्जी है उसके साथ कोई गलत काम नही हुआ है और कोई घटना नहीं घटा है।

पत्र में मिथलेश ने कहा है कि जो नाम लिखा गया है उसे उसने कभी नहीं देखा और न ही पहचानती हूँ। गौर थाना क्षेत्र के ढोढरी निवासी दिलीप पाण्डेय द्वारा जो लिखाया गया जो गलत है उसके द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र में जितेन्द्र पाण्डेय व शशिकान्त तथा नन्द किशोर यादव निर्दोष हैं इसमें इन लोगो का कोई गलती नही है यह प्रार्थना पत्र निरस्त किया जाय । उसे कोई कानूनी कार्यवाही व मुकदमा नही करना है।

इसी कड़ी में संगीता पत्नी दिनेश कुमार निवासी ग्राम मदारजोत, थाना–पुरानी बस्ती ने एसपी को दिये प्रार्थना पत्र में कहा है कि उसके गाँव के कुछ लोग समूह के नाम पर कुछ लोगो से तथा उससे आधार कार्ड, फोटो तया सादे कागज पर हस्ताक्षर बस्ती से पत्रकार दिलीप पाण्डेय व उनके दो लोग जा करके पूरा फाइल तैयार कराकर लेकर आये और उन लोगो के नाम से कोर्ट में फर्जी 156 (3) के तहत झूठे अनजान व्यक्तियों पर मुकदमा करवाते है। जिससे बाद में उन व्यक्तियों से मिलकर सुलह समझौता के तहत अच्छा रकम लेते है जिससे हम लोगो को अपमानित होना पड़ता है और बलात्कार जैसा झूठा आरोप लगवाते है। फिर उन लोगों के ऊपर दबाव बनाकर रूपये की वसूली करते है और मोबाइल नम्बर 6391194326 से बार बार धमकी आ रही है कि अगर कही शिकायत करोगी तो तुम्हारी इज्जत लूट लेंगे और तुम्हे जान से मरवा देंगे। ऐसी स्थिति वह काफी परेशान व भयभीत है। समाज में उसके इज्जत की धज्जिया उड़ रही है। उसने आग्रह किया है कि उक्त लोगो से लिया गया आधार कार्ड, फोटो तथा सादे कागज पर हस्ताक्षर वापस दिलाने तथा उपरोक्त लोगो के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही कराया जाय।

बहरहाल फर्जी मुकदमों में फंसवाकर लोगों से धन उगाही करने वालों का सच प्रार्थना पत्र से सामने आ गया है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पुलिस ऐसे तत्वों पर अंकुश लगाने की दिशा में क्या पहल करती है।

पूर्व विधायक ने सीएमओ पर लगाया मनमानी, सुनियोजित भ्रष्टाचार का आरोपः मुख्यमंत्री से कार्यवाही की मांग

संवाददाता–बस्ती । रूधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर मुख्य चिकित्साधिकारी, बस्ती द्वारा विभिन्न कार्यों के लिए निकाले गये निविदा, स्वास्थ्य विभाग में नियुक्तियां एवं मनमाने ढंग से कर्मचारियों के प्रमोशन में किये गये व्यापक भ्रष्टाचार एवं अवैध वसूली, जिला चिकित्सालय बस्ती में तैनात आनन्द कुमार सिंह, वरिष्ठ सहायक और विधान सभा क्षेत्र 309 रुधौली के तहसील–मानपुर के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य भानुपर में तैनात अधीक्षक डॉ सचिन चौधरी के द्वारा किये जा रहे अनियमितताओं की जांच कराने के साथ उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने का आग्रह किया है।

भेजे पत्र में पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा है कि जिले के विभिन्न सीएचसी और पीएचसी पर रिवायरिंग के लिए बिना टेण्डर निविदा निकाले ही लगभग 55 लाख का भुगतान मुख्य चिकित्साधिकारी बस्ती द्वारा चहेते फर्म को कर दिया गया है, जो सरकारी धन का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है, जनपद में स्वास्थ्य महकमे में लगभग 183 नियुक्तिया की गयी है. जिसमे सीएमओ द्वारा बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया, इतना ही नहीं सीएमओ ने ऐसी फर्म को नियुक्ति का टेंडर कर दिया जो पहले से ब्लैक लिस्टेड है। सीएमओ ने नियमों को दरकिनार कर भ्रष्टाचार के बल पर अपने चहेतों का प्रमोशन, कर दिया है। यह भी चर्चा है कि 5 से अधिक कर्मचारियों का प्रमोशन सीएमओ ने मनमानी तरीके से किया है। बस्ती के सी०एम०ओ० आया से अधिक सम्पत्ति अर्जित करके इलाहाबाद में अपना निजी मेडिकल कालेज बनवा रहे है। इनके द्वारा इलाहाबाद से दो लड़को को बुलाकर डूडा के माध्यम से संविदा पर नियुक्ति कराकर उनको ब्लक में हस्ताक्षर करके नोटिस का बंडल दे रखा उन लोगों को सुबह ही सरकार विभाग के वाहन से अवैध वसूली के लिए निकल जाते है।

पत्र में कहा गया है कि सी०एम०ओ० बस्ती द्वारा अल्ट्रासाउंड, और एक्सरे सेंटर वाले से नवीकरण के नाम पर एक लाख रूपये तक की अवैध वसली करायी जा रही है। अथवा कागजों में फर्मासिस्ट और एल०टी० का तबादला धन उगाही के लिए कर दिया गया, फिर उन लोगों से मोटा लिफाफा लेकर यथावत वहीं तैनात कर दिया गया है। इनके द्वारा अपने कार्यालय एवं आवास पर भ्रष्टाचार की दुकान खोल रखी है। उनका अपने अधीनस्थ सी०एच०सी०, पी०एच०सी० के अधीक्षक एवं कार्यरत डाक्टरों पर कोई नियंत्रण नहीं है। वहां पर तैनात डाक्टरों द्वारा भी मरीजों का उत्पीड़न किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री को भेजे दूसरे पत्र में पूर्व विधायक ने कहा है कि आनन्द कुमार सिंह, वरिष्ठ सहायक, जो वर्तमान में प्रमुख अधीक्षक जिला चिकित्सालय, जनपद बस्ती के अधीन कार्यरत हैं, के द्वारा जनपद गोरखपुर के ठेकेदार एवं अपने भाई तथा रिश्तेदारों के साथ मिल कर चिकित्सालय में भोजन, स्टेशनरी, फर्नीचर का क्रय एवं मरम्मत मनमानी तरीके से निविदा करा कर, जेम पोर्टल से कूटनीतिक आदेश जारी कर एवं स्थानीय क्रय जो कि गोरखपुर से किया जा रहा हैं जो कि उनके सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार है जबकि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं, कि कार्यालय में जो भी कार्य कराया जायें सर्वप्रथम जेम पोर्टल के माध्यम से ही कराया जायें। जेम पोर्टल पर उपलब्ध न होने की दशा में ही सामान्य आदेश अथवा कोटेशन के माध्यम से ही कराया जायें। सरकार द्वारा जारी शासनादेशों को ताख पर रखते हुये आनन्द कुमार सिंह, वरिष्ठ सहायक के द्वारा अपने रिश्तेदारों को मनचाहे आदेश निर्गत कर प्रमुख अधीक्षक जिला चिकित्सालय, जनपद बस्ती के मिलीभगत से अवैध तरीके से शासन द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे धन का दुरूपयोग किया जा रहा हैं। जिससे यह भी प्रतीत होता हैं कि इनके द्वारा विशेष रूचि दिया जा रहा हैं एवं इनका आर्थिक लाभ भी हैं। पूर्व विधायक संजय प्रताप ने मुख्यमंत्री को भेजे तीसरे पत्र में कहा है कि बस्ती के विधान सभा क्षेत्र 309 रुधौली के तहसील–मानपुर के अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य भानुपर में तैनात अधीक्षक डा. सचिन चौधरी कई सालों से तैनात है इनके द्वारा मरीजों से अभद्र भाषा और दुर्व्यवहार किया जाता है। अस्पताल गेट सामने सभी दुकानों पर खुद की दवा रखवा कर पर्चे पर वही दवा लिखते एवं बेचवाते हैं । मरीजों के सभी जांच बाहर के फर्जी पैथालोजी पर करवाते है और कमीशन लेते हैं। महिला के गर्भाधान से लेकर प्रसव तक अल्ट्रा साउंड और बच्चे होने के बाद 5 से 6 हजार की दंवा बाहर से लिखकर बाहर से मगवाते है और बक्सीस के नाम पर 3 से 5 हजार पैसे लेते है । अस्पताल में 24 घण्टे बिजली देने के उद्देश्य से लगा जनरेटर भी नही चलता प्रतिदिन का 100 लीटर डीजल का पैसा भी कागज में दिखा कर बेच लिया जाता है। इनके द्वारा अस्पताल के मरम्मत के लिए आया सरकारी धन भी कागज में काम दिखा कर सारा पैसा निकाल लिया जा रहा है। पूर्व में इनका स्थानान्तरण भानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से कहीं दूसरी जगह स्थान्तरित कर दिया गया था परन्तु उच्च अधिकारियों के रहमों–करम द्वारा यहां पुनः यथा स्थान पर कार्यरत रहने दिया गया।

204 शिक्षकों को मिला गणित किट प्रशिक्षण

संवाददाता–बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में बुधवार को प्रथम बैच के 204 शिक्षकों का तीन दिवसीय गणित किट प्रशिक्षण संपन्न हुआ। सभी प्रतिभागी शिक्षकों को प्रशिक्षण संबंधी प्रमाण पत्र दिया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने प्रतिभागी शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण सही मायने में तभी सार्थक है जब गणित किट का सही प्रयोग कक्षाओं में किया जाय। इसलिए हमें पूर्ण विश्वास है कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में आप सबने गणित किट के उपयोग के बारे में जो सीखा है उसे अपनी कक्षाओं तक पहुंचाकर प्रशिक्षण के उद्देश्य को पूरा करेंगे। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता अलीउद्दीन खान ने कहा कि प्रशिक्षकों द्वारा गणित किट के संबंध में जो सिखाया गया है वह बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए इसे अपने–अपने विद्यालयों मे उतारकर

बुनियादी शिक्षा को और मजबूत करें। प्रशिक्षण के अन्तिम दिन संदर्भदाता हरेंद्र यादव, बालमुकुंद और अनूप सिंह ने ज्यामिति आकृतियों की पहचान एवं निर्माण, क्षेत्रमिति की अवधारणा, तार्किक चिंतन, गतिविधियां, समेकन आदि के बारे विस्तृत जानकारी दिया।

इस अवसर पर डॉ गोविन्द प्रसाद, शशिदर्शन त्रिपाठी, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, वन्दना चौधरी, रविनाथ त्रिपाठी, इमरान खान, कल्याण पाण्डेय, कुलदीप चौधरी, अमनसेन, विवेक कान्त पाण्डेय, कुलदीप सिंह, रत्नेश कुमार गुप्ता, पीयूष मिश्र, लवकुश त्रिपाठी, गोपाल दूबे, सचिन पाण्डेय, मधुसूदन तिवारी, अरुण दूबे, शिव कुमार त्रिपाठी, धनंजय दूबे, रजनीश शर्मा, विवेक कुमार, मेराज अहमद, विजय चौधरी, निशांत मिश्र, मो. सलाम, संजय, लाल महेश मौर्या, शशिकांत, अंशू शुक्ला, ममता गुप्ता, अज्ञाराम वर्मा, मधु वर्मा, राजेश कुमार यादव आदि उपस्थित रहे।

सीधा साधा सच्चा लिख,जो भी लिख, पर पक्का लिख।
मत लिख इनके–उनके जैसा, केवल अपने जैसा लिख।।
– बालसोम गौतम

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

हिंसा के दौर में

ब्रिटेन में दक्षिणपंथी हिंसा की लहर के बीच आप्रवासियों व मुस्लिमों को निशाना बनाया जाना बेहद चिंता का विषय है। सोशल मीडिया के जरिये भ्रामक प्रचार से समूह विशेष पर हमले ब्रिटिश समाज में विकट होती स्थिति को दर्शाता है। दरअसल, गत 29 जुलाई को साउथपोर्ट में टेलर स्विफ्ट की थीम डांस पार्टी में तीन बच्चियों की नृशंस हत्या के बाद ब्रिटेन के कई शहरों में दंगे भड़क उठे। इस घटना में दो वयस्कों के साथ कई अन्य बच्चे भी घायल हुए थे। इसके बाद पूरे ब्रिटेन में दक्षिणपंथी आंदोलनकारियों ने इस घटना का इस्तेमाल नफरत को बढ़ावा देने और अराजकता भड़काने में किया। कालांतर में हिंसा महज विरोध प्रदर्शनों तक ही सीमित नहीं रही। दुकानें लूट ली गईं, कारों को आग लगा दी गईं, मस्जिदों और एशियाई स्वामित्व वाले व्यवसायों को निशाना बनाया गया। यह चिंताजनक स्थिति ब्रिटिश समाज में पैर पसारती मानसिक रुग्णता को ही दर्शाती है। दरअसल, ब्रिटिश समाज में आप्रवासियों के प्रति धुर दक्षिणपंथियों की कटुता छिटपुट घटनाओं की प्रतिक्रिया के रूप में ही नजर नहीं आती, बल्कि ये घटनाक्रम ब्रिटिश समाज में व्यापक सामाजिक चिंताओं और राजनीतिक विफलताओं का भी परिचायक है। दरअसल, कई दक्षिणपंथी राजनेताओं ने आप्रवासन और सांस्कृतिक एकीकरण के बारे में गलत धारणाओं को बढ़ावा दिया। उन्होंने अपने विभाजनकारी एजेंडे के लिये समर्थन जुटाने के लिये खतरनाक ढंग से गलत सूचनाएं फैलायीं। कहा गया कि हमलावर एक आप्रवासी मुस्लिम था। हालांकि प्रधानमंत्री स्टार्मर ने दंगों को सुनियोजित साजिश बताते हुए घटनाओं की निंदा की है, लेकिन अभी ब्रिटिश समाज में सामाजिक समरसता बनाये रखने के लिए बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर एक सप्ताह में हिंसक गतिविधियों में शामिल करीब चार सौ से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। दंगइयों के हौसले इतने बुलंद थे कि वे पुलिस से संघर्ष करते नजर आ रहे थे। साथ ही सार्वजनिक संपत्ति और आप्रवासियों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे थे।

दरअसल, हाल के दिनों में देखने में आया है कि कई देशों में हिंसक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये ऑनलाइन सूचनाओं को गलत ढंग से प्रसारित व प्रचारित किया गया। वास्तव में भ्रामक सूचनाओं के तंत्र पर अंकुश लगाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की जरूरत है। देखने में आया है कि सुनियोजित ढंग से प्रचारित सूचनाएं लोगों को कट्टरपंथी बनाने और हिंसा को भड़काने के लिये प्रयोग की जाती हैं। सोशल मीडिया को एक हथियार की तरह से इस्तेमाल किया जा रहा है। दरअसल, ब्रिटिश सरकार को अंतर्निहित उन सामाजिक व आर्थिक मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है जिसके जरिये दक्षिणपंथी स्थानीय लोगों का भावनात्मक दोहन करते हैं। मसलन बेरोजगारी और अपर्याप्त सामाजिक सेवाओं की समस्या को दूर करना चाहिए, जिसके बहाने आप्रवासियों के प्रति नफरत फैलाने का काम किया जाता है। निश्चित रूप से ऐसे भय के माहौल में सहिष्णुता और एकता के मूल्यों को बनाये रखने की सख्त जरूरत है। भविष्य में प्रवासियों के खिलाफ ऐसी हिंसा दोबारा न पनपे ब्रिटिश सरकार को अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा और समावेशन को सुनिश्चित करना चाहिए। अब चाहे वे किसी भी देश से आए हों। मीडिया और राजनीतिक नेताओं से जिम्मेदार व्यवहार की उम्मीद की जानी चाहिए। उन्हें नफरत फैलाने वाली भड़काऊ बयानबाजी से बचना चाहिए। ब्रिटेन में डेढ़ दशक बाद व्यापक रूप से पनपे दंगों की पुनरावृत्ति रोकने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। दरअसल, इस दौरान दक्षिणपंथियों के हौसले इतने बुलंद थे कि उन्होंने पुलिस को भी निशाना बनाने से परहेज नहीं किया। इस घटनाक्रम के चलते प्रदर्शनकारी तथा आप्रवासियों के समर्थक कई बार आमने–सामने नजर आए। एक पक्ष कह रहा था कि ब्रिटेन को बाहरी लोगों से मुक्त कराया जाए तो दूसरी तरफ आप्रवासियों का समर्थन करने वाले नारे लगा रहे थे कि यहां शरणार्थियों का स्वागत है। बहरहाल, हाल की हिंसक घटनाओं ने नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालांकि, उन्होंने प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने के आदेश भी दिए हैं। बकायदा इस संकट को लेकर सोमवार को प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर सुरक्षा अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक भी बुलाई गई। निश्चित रूप से दक्षिणपंथियों की हिंसा से सख्ती से निपटने की जरूरत है।

आखिर तानाशाहों में कैसे शुमार हुई शेख हसीना

–ज्योति मल्होत्रा–

बांग्लादेश में भड़के अराजक आंदोलन के दौरान एक 'प्रदर्शनकारी' द्वारा बंगबंधु मुजीबुर्रहमान की प्रतिमा पर हथोड़ा चलाने की तस्वीर सिहरन पैदा करने वाली था। हमें लगता है यह किसी आंदोलनकारी छात्र का काम नहीं हो सकता–कतई नहीं –भले ही वह बंगबंधु की बेटी से कितना भी नाराज क्यों न हो। यहां तक कि अगर शेख हसीना उस वक्त भी चुप रहीं, जब पिछले कुछ हफ्तों से चल रहे आंदोलन में 'देखते ही गोली मार दो' आदेश के बाद सुरक्षा बलों के हाथों 300 से अधिक मारे गए और यह हुक्म और किसी ने नहीं बल्कि उनकी आवामी लीग पार्टी के महासचिव ओबेदुल कादर ने दिया था। यदि बंगबंधु जीवित होते तो वे भी इन वैचारिक तौर पर विकृत लोगों का निशाना बन जाते, जिन्हें 1971 में बांग्लादेश को आजाद करवाने के लिए हुए लासानी युद्ध के बारे में तो बहुत कम या जरा इल्म नहीं है।

वे बांग्लादेश के उस राष्ट्रपिता की पुत्री हैं जो कभी गलत नहीं कर सकते थे, शेख हसीना तो लोकतंत्र की बेटी हैं, जो 15 अगस्त 1975 की मनहूस रात को हुए नरसंहार से बच गई थीं दृ जब उनके बाकी परिवार को विद्रोहियों द्वारा क्रूरता से खत्म कर दिया गयादृ सिर्फ इसलिए कि क्योंकि वे और उनकी बहन रेहाना, उस दिन धानमोंडी के पुश्तैनी घर में मौजूद नहीं थीं। आज हसीना को उन तानाशाहों की जमात में रखा जा रहा है जो अपनों का खून बहाने से पहले जरा नहीं सोचते, क्योंकि उन्हें यही करना पड़ता है, अपना बचाव सर्वप्रथम जो होता है।

पर यह सब हो गुजरने की नौबत बनी कैसे? शेख हसीना कैसे ओबेदुल कादर को अनुमति दे सकती हैं कि जो कोई प्रदर्शन करने की जुर्रत करे, उसे मार डाला जाए? स्पष्टतः 1971 की क्रांति खुद को दोहरा रही है। यह अपने संतान खुद खाने जैसा है। बताया जा रहा है, ढाका में दो हफ्ते पहले हुई अभागी पत्रकार वार्ता में कादर ने कहा कि यदि छात्र अपना आंदोलन बंद कर घर वापसी नहीं करते तो 'इन्हें सीधा करने' को अपनी आवामी लीग के कार्यकर्ताओं को हुक्म देना पड़ेगा। तो क्या इसका मतलब है कि शेख हसीना की पार्टी वालों ने ढाका और चटगांव में प्रदर्शनकारी निर्दोष विद्यार्थियों पर गोलियां चलाईं? यह अभी जांच का विषय है। लेकिन यूनिसेफ ने कहा है कि जुलाई माह के आंदोलन में कम से कम 32 छात्र मारे गए हैं।

यह कैसे हो सकता है कि शेख हसीना जिन्हें अपना पूरा परिवार नरसंहार में गंवाया हो और उसके बाद दिल्ली के पंडारा रोड के एक घर में अपनी बहन रेहाना और किशोर भाई रसेल के साथ बतौर राजनीतिक शरणार्थी रहना पड़ा, और इस दौरान उनके प्रिय बांग्लादेश में पाकिस्तान परस्त ताकतें सत्तासीन हो गईंदृ क्योंकर उन्होंने खुद को इतना बिखरने दिया कि उन्हीं तानाशाहों का प्रतिबिम्ब बन गईं, जिनसे कभी नफरत थी?

अब जबकि उन्हें दिल्ली के पास हिंडन वायुसेना अड्डे पर या उसके पास 'भारतीय सेफ हाउस' में रहना पड़ रहा है और केवल एक घंटे की दूरी पर, दिल्ली में रह रही और विश्व स्वास्थ्य संगठन में नौकरी कर रही अपनी बेटी साइमा वाजेद से मिलने तक की अनुमति नहीं है, तो शायद वे कुछ समय निकालकर अपने भीतर झांकेंगी कि कैसे और क्यों उन्होंने इस मनहूस स्थिति को बनने दिया।

जनवरी माह में, जब विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा दूसरी बार भी आम चुनाव का बहिष्कार किए जाने के बाद, शेख हसीना ने इस निर्णय पर हेकड़ी पूर्ण रुख अख्तियार करते हुए, बीएनपी के बड़े नेताओं को गिरफ्तार करने का हुक्म दिया, यह एक तरह से उनके चेहरे पर थूकने जैसा था। भले ही ये दो महिलाएं, शेख हसीना और पिछले सालों से अस्वस्थ चल रही बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया, एक–दूजे को सख्त नापसंद करती हों, किंतु लोकतंत्र के पहले नियम का तकाजा है कि चाहे आप किसी विपक्षी नेता से कितनी भी दिली नफरत क्यों न करते हों, फिर भी उसे अपनी बात कहने का मौका तो देना ही पड़ेगा।

लेकिन हसीना अड़ी रहीं और भारत सरकार के पास उनकी दलीलों को मानने के सिवा कोई चारा नहीं रहादृ लेकिन यदि भारत उनके अधिनायकवादी तौर–तरीकों से चुनाव के जरिये सत्ता में वापसी का समर्थन न करता रहता तो बंगाल की खाड़ी उन मगरमच्छों का आशियाना बन जाती, जिनका प्रशिक्षण और पोषण पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान करता आया है। विडंबना है कि वह आकलन भी एकदम सच था। इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी सहित अपने से पहले के प्रधानमंत्रियों की भांति नरेंद्र मोदी को भी अहसास रहा कि भारत के पास शेख हसीना का समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। जब 2001 से 2006 के बीच बीएनपी सत्ता में रही, तब न केवल भारत के उत्तर–पूर्वी इलाके को गहरी उथल–पुथल में धकेला गया बल्कि पाकिस्तान परस्त तत्वों ने चटगांव बंदरगाह से होकर बांग्लादेश में आधुनिक हथियारों की खेपों की खेपें उतारीं।

यह एकदम सच है कि शेख हसीना की ढाका में वापसी भारत के लिए एक बड़ा वरदान रही। केवल 1971 के नाते से नहींदृयह सरगर्मी आरंभ से रही, जब विशेष रिश्ता कायम हुआ, जो न केवल मुक्ति बाहिनी और भारतीय सेना के बीच था बल्कि दोनों मुल्कों के नागरिकों के मध्य भी दृ और ये संबंध शेख हसीना के पिछले 15 सालों के प्रधानमंत्रित्व काल में भी बने रहे।

भारत और शेख हसीना के नेतृत्व वाले बांग्लादेश के मध्य राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में एक बिल्कुल नई किस्म की साझेदारी बनी, जो बाकी दक्षिण एशिया के लिए आदर्श उदाहरण बनी। सड़क, रेलवे, पारगमन का अधिकार, आम नागरिकों को आने–जाने की अनुमति, रक्षा क्षेत्र में मदद, जो कोई भी नाम लें, उस क्षेत्र में भारत–बांग्लादेश की जुगलबंदी कायम रही।

तब फिर ऐसा क्या हुआ? सोमवार को ढाका में बांग्लादेशी आंदोलनकारी द्वारा शेख मुजीब की मूर्ति के सिर को हथौड़े से तोड़ने और देशभर में हिंदू परिवारों पर हुए हमले साफ दिखाते हैं कि पर्दे के पीछे से कोई ताकतें यह सब करवा रही हैं। सबसे बड़ा शक पाकिस्तान परस्त जमात–ए–इस्लामी संगठन पर है। वे लौट आए हैं। बांग्लादेश में इतिहास कभी भी वास्तव में इतिहास नहीं रहा। अब पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के लिए बंगाल की खाड़ी में 'खेला' करने के लिए यह परिस्थिति जन्य मौका है।यह भी उतना ही सच है कि शेख हसीना के सिवाय एक भी ऐसा नहीं है जिसके पास जमात–ए–इस्लामी और इसके राजनीतिक मुखौटे बीएनपी से मुकाबला करने का माद्दा हो। लेकिन हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। अब जबकि हिंडन वायुसेना अड्डे पर वे ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय द्वारा राजनीतिक शरण की अनुरोध स्वीकार करने की बाट जोह रही हैं, शायद लंदन से अनुमति आने तक उनके लिए ढाका में बने रहना सुरक्षित न होता। अवश्य ही उन्होंने भारत से अस्थाई पनाह देने की गुहार लगाई होगी। उन्हें आने देकर मोदी सरकार ने सही किया है। और दोस्त होते किसलिए हैंदृ भले ही अगला गलत क्यों न हो।–लेखिका द ट्रिब्यून की प्रधान संपादक हैं।

शहीदों के परिजनों के साथ विधायक अजय सिह ने किया 18 स्मृति द्वारों का उद्घाटन

संवाददाता–बस्ती। हरैया विधानसभा के परशुरामपुर विकासखण्ड के अंतर्गत 1 करोड़ 49 लाख की लागत से बने 18 स्मृति द्वारों का उद्घाटन बुधवार को किया गया। हरैया विधायक अजय सिंह ने संबंधित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं महापुरुषों के परिजनों को सम्मानित करके और उनके साथ स्मृति द्वारों का उद्घाटन किया।

परशुरामपुर विकासखण्ड के मड़रिया चौराहे पर सरदार वल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार, नारायणपुर में काली प्रसाद स्मृति द्वारा, जगदीशपुर में मोतीलाल कुर्मी स्मृति द्वार, भैसहा में अमर सिंह स्मृति द्वार, अहिरौली में गोमती पाण्डेय स्मृति द्वार, सलेमपुर पाण्डेय में देवता कुमार स्मृति द्वार, परशुरामपुर में गया प्रसाद स्मृति द्वार, तलहवापुर में युगल सिंह स्मृति द्वार, ब्लॉक के बगल महावीर कलवार गुप्ता एवं ईदन बख्श स्मृति द्वार, सिकंदरपुर रोड पर माता प्रसाद गुप्ता तथा रामबरन स्मृति द्वार, बरहापुर पाण्डेय में युगल किशोर गुप्ता, ज्ञान दास गुप्ता तथा रामबरन गुप्ता स्मृति द्वार, धर्मपुर में जानकी सिंह और झिनकाई सिंह स्मृति द्वार, ठाकुरपुर में रामकिशोर स्मृति द्वार, मखौड़ा धाम पर भगवान श्री राम

की उद्भावस्थली मखधाम मखौड़ा द्वार, टेढ़ाघाट महाराजा बिजली पासी स्मृति द्वार, कोहरायें चौराहा पर डॉ भीमराव अंबेडकर स्मृति द्वारा, जगदीशपुर में पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप नारायण पाण्डेय (कोट साहब) स्मृति द्वार सहित कुल 18 स्मृति द्वारों का उद्घाटन किया गया। विधायक अजय सिंह ने कहा कि देश के महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा देश के लिए किए गए त्याग, बलिदान और उनका जो देश की रक्षा में योगदान रहा है उसके लिए हम सभी देशवासी आजीवन ऋणी हैं। देश की आजादी में शहीदों का बहुत बड़ा योगदान रहा है उन्हीं के साहस और पराक्रम के कारण पूरे देशवासी आजादी की सांस ले रहे हैं।

इस अवसर पर श्रवण तिवारी, अरविंद सिंह, अखिलेश सिंह, राममणि मिश्र, पंकज मिश्रा, सोनू सिंह, विनोद गुप्ता, राम ललित पाण्डेय, वीरू सिंह, बिक्कू जगत मोहन सिंह, पप्पू वर्मा, पंचम वर्मा, सुनील त्रिपाठी, अभिषेक सिंह, नंदन सिंह, बृजेश मिश्र कन्हैया गुप्ता, बड़े सिंह, योगेन्द्र तिवारी, रंजय कनौजिया, रघुनाथ सिंह, जय प्रकाश सिंह, अनजान सिंह, सरोज मिश्र बाबा, सिद्धांत मिश्र, आशीष गुप्ता, शिखर सिंह, अतुल तिवारी, मुकेश वर्मा, अखिलेश पाण्डेय, अनुराग सिंह, प्रियांशु सिंह, भरत सिंह, निर्मल सिंह, सुधांशु पाण्डेय, सुनील वर्मा, मनोज सिंह, पप्पू वर्मा, रणबहादुर सिंह, राम औतार पटवा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नये शरण की तलाश में हैं शेख हसीना

नई दिल्ली (आभा)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का फ्यूचर प्लान क्या है, इस बारे में फिनलैंड को कोई जानकारी नहीं है। फिनलैंड के विदेश मंत्रालय ने उन रिपोर्ट्स पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उनके यूरोपीय देश जाने का दावा किया जा रहा था. शेख हसीना के शरण के लिए फिनलैंड को एक विकल्प के रूप में माना जा रहा है, लेकिन यहां के मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं, और हिंडन एयर बेस पर सेफ हाउस में रह रही हैं. बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हसीना भारत आ गई थीं और गाजियाबाद के हिंडन बेस पर ही लैंड की थी. इसके बाद से वह यहीं रह रही हैं लेकिन उनके लिए दूसरे किसी सेफ हाउस की तलाश की जा रही है।

शेख हसीना के बेटे साजिब वाजेद ने बीते दिन इस बात से इनकार किया था कि वह किसी देश में शरण लेने जा रही हैं. उन्होंने इस बात से इनकार किया था कि उन्होंने किसी देश को इसके लिए अप्रोच भी किया है. उनका कहना था कि पूरा परिवार विदेशों में रहता है और वह अपने पोते–पोतियों से मिलने किसी भी देश में जा सकती हैं. उन्होंने शरण की मांग वाली खबरों को अफवाह करार दिया था।

शेख हसीना के भारत से किसी और देश में शरण के लिए जाने के मुद्दे पर भारतीय मीडिया में दावा किया जा रहा था कि उन्होंने ब्रिटेन में शरण के लिए अप्लाई किया है. हालांकि, स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में भारतीय मीडिया के हवाले से ही कहा जा रहा है कि शेख हसीना सऊदी अरब और यूनाइटेड अरब अमीरात को भी विकल्प मान रही हैं, जहां वह शरण लेने की कोशिश कर सकती हैं। शेख हसीना फिलहाल भारत में हैं लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह आगे भी भारत में ही रहेंगी।

भाजपा सभी बूथों पर मनाएगी आजादी का पर्व, निकलेगी तिरंगा यात्रा'

संवाददाता–बस्ती। बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय पर हुई पार्टी की जिला स्तरीय कामकाजी बैठक में पूरे जिले में हर घर तिरंगा अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत स्वतंत्रता दिवस से पहले जिले के प्रत्येक घरों में तिरंगा लगाने का काम भाजपा कार्यकर्ता करेंगे। तिरंगे और राष्ट्र के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 11, 12 और 13 अगस्त को जिले भर में तिरंगा रैलियां निकाली जाएंगी। बैठक में मौजूद प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल व पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने अभियान के बारे में विस्तार से चर्चा किया।

प्रदेश भाजपा महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल ने कहा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी जी के मार्ग दर्शन में 11, 12, व 13 अगस्त, 2024 तक प्रत्येक विधानसभा में तिरंगा यात्रा का आयोजन युवा मोर्चा के नेतृत्व में होगा। 12–14 अगस्त, 2024 महापुरूषों की प्रतिमा एवं स्मारकों के आस–पास स्वच्छता का कार्यक्रम करेंगे। 13–14 अगस्त, 2024 भारत माता के वीर सपूतों ६ महापुरूषों की प्रतिमाओं एवं स्मारकों पर माल्यार्पण करेंगे। 13, 14 व 15 अगस्त, 2024 तक प्रत्येक कार्यकर्ता जन–जन से सम्पर्क करके प्रत्येक घर एवं व्यवसायिक केन्द्रों पर हर घर तिरंगा फहराने हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा इन कार्यक्रमों में बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित कर उनसे ध्वजारोहण कराया जाय जिससे वे राष्ट्रीय एकता की भावना से ओतप्रोत रहें। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस है। भारत का विभाजन तथा अभूतपूर्व मानव विस्थापन एवं मजबूरी में पलायन की

दर्दनाक कहानी है। इस अवसर पर जिला केंन्द्रो पर संगोष्ठी करते हुए विभाजन के काले अध्याय को याद करते हुए लाखों की संख्या में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि दी जायेगी। संगोष्ठी समापन के पश्चात् सभी कार्यकता पार्टी कार्यालय से गांधीनगर तक मौन जुलूस निकालते हुए कार्यक्रम का समापन करेंगे।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने हर घर तिरंगा अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि हमारी पार्टी में हर बूथ पर कार्यकर्ता हैं, इसलिए हर बूथ पर लोगों को शामिल करके आजादी के त्योहार को आनंद के साथ मनाया जाना चाहिए।

मौके पर क्षेत्रीय संयोजक सिद्धार्थ शंकर पाण्डेय, राजेंद्र गौड़, राजेन्द्र नाथ तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, राजेश पाल चौधरी, दयाराम चौधरी, पवन कसौधन, यशकांत सिंह, सुशील सिंह, महेश शुक्ल, प्रमोद पाण्डेय, भानु प्रकाश मिश्र, राम सिंगर ओझा, अमृत कुमार वर्मा, रोली सिंह, मनोज ठाकुर, रवि सिंह, रघुनाथ सिंह, चन्द्र शेखर मुन्ना, अरविन्द पाल, जटा शंकर शुक्ल, गजेन्द्र सिंह, प्रत्युष सिंह, अरविन्द श्रीवास्तव, मनमोहन श्रीवास्तव काजू, वागीश सिंह, गौरव अग्रवाल, अवनीश सिंह, सुजीत सोनी, अतुल यादव, दिलीप भट्ट, अखिलेश शुक्ल, रवि तिवारी, श्रुति अग्रहरी, बाल कृष्ण तिवारी, अभिषेक कुमार, राकेश श्रीवास्तव, दुष्यंत सिंह, दिलीप पाण्डेय, सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बारिश से मुहल्लों में जल जमाव

संवाददाता–बस्ती। बस्ती शहर में बुधवार को झमाझम बारिश से विभिन्न मोहल्लों की सड़कों पर जल–जमाव की स्थिति बन गई। इससे बच्चों, महिलाओं व कामकाजी लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के अलावा हर्रैया, कप्तानगंज क्षेत्र में भी अच्छी बारिश का सिलसिला बुधवार को जारी रहा। वाल्टरगंज समेत अन्य इलाकों में रिमझिम बारिश होने से मौसम काफी खुशनुमा बन गया। मौसम के मिजाज ने किसानों को भी बड़ी राहत दी है। न्यूनतम तापमान का पारा 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। जिले में सोमवार से मौसम का मिजाज बदला है। शहर समेत विभिन्न इलाकों में रुक–रुक हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी है। शहरी क्षेत्र में सुबह पौने दस बजे तक बारिश के बाद आसमान में बादल छाए रहे। स्कूली बच्चों को भी इससे परेशानी का सामना करना पड़ा। बुधवार को अधिकतम तापमान का पारा भी 30 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़कने का अनुमान है।

विनेश फोगाट वजन बढ़ने के कारण अयोग्य घोषित

नई दिल्ली (आभा)। ओलंपिक के कुश्ती मुकाबले में गोल्ड, सिल्वर मेडल की दहलीज तक पहुंची विनेश फोगाट को वजन बढ़ने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया है। इस बड़ी घटना से देश के लोगों में गुस्सा देखा जा रहा है। विपक्षी नेताओं ने इस मामले में कोई बड़ी साजिश होने की आशंका जताई है। मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग हो रही है। चंडीगढ़ प्रशासन में कुश्ती कोच दर्शन पाराशर कहते हैं, विनेश फोगाट के साथ हुई यह घटना हैरान और दुखी करने वाली है। ओलंपिक में विनेश, गोल्ड तक पहुंच सकती थी। इस मामले में कहीं तो चूक हुई है। इसके लिए केवल पहलवान जिम्मेदार नहीं होता। कोच व तकनीकी टीम भी साथ रहती है। देखने वाली बात यह है कि किसके स्तर पर जिम्मेदारी में कोताही बरती गई है। कोई तो है जो अपनी जिम्मेदारी पूरी करने में फेल रहा है।

बता दें कि पहले विनेश फोगाट, 53 किलोग्राम के वेट में खेलती थीं। बाद में वे पचास किलोग्राम पर आई थीं। ओलंपिक में विनेश ने छह अगस्त की रात को महिला कुश्ती के 50 किलोग्राम के भार वर्ग मुकाबले में क्यूबा की पहलवान को शिकस्त दी थी। इसके बाद विनेश की तरफ से गोल्ड या सिल्वर मेडल जीतने की उम्मीद बंध गई थी। कुश्ती के कोच दर्शन पाराशर कहते हैं, ओलंपिक में वजन का बहुत अहम रोल होता है। कई बार खिलाड़ी की लापरवाही की वजह से वजन कम या ज्यादा हो जाता है। हालांकि जो खिलाड़ी, ओलंपिक में गोल्ड, सिल्वर जीतने की दहलीज पर पहुंच गई हो, वहां पर ऐसी लापरवाही, चूक हो, ऐसी संभावना न के बराबर है। खुद पहलवान भी बहुत गंभीर रहता है।

उपभोक्ता भवन का शिलान्यास

संवाददाता–बस्ती। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, बस्ती के उपभोक्ता भवन का शिलान्यास न्यायमूर्ति/ अध्यक्ष राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, लखनऊ अशोक कुमार के द्वारा बुधवार, को सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर निबन्धक राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, लखनऊ, .मो. राशिद (एच.जे.एस.),सदस्य अजय प्रकाश, जनपद न्यायाधीश बस्ती, सीजीएम बस्ती, जिला अधिकारी रवीश गुप्ता ,अध्यक्ष जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अमर जीत वर्मा, पूर्व सदस्य मध्यस्थ महादेव प्रसाद दुबे, उपभोक्ता न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण एवं सिविल बार के अध्यक्ष बद्री प्रसाद दुबे, महामंत्री दयाशंकर दुबे गंगवार, अध्यक्ष शेषनाथ पाठक, जनपद बार के अध्यक्ष जवाहर मिश्रा, शासकीय अधिवक्ता सिविल, शासकीय अधिवक्ता क्रिमिनल, शासकीय अधिवक्ता रिवेन्यू, तमाम अधिवक्तागण उपस्थित रहे। अपर जिला मजिस्ट्रेट, एसडीएम सदर, जीसी क्रिमिनल बीजी सिविल जीसी लखनऊ आचार्य पंडित अर्जुन त्रिपाठी के देखरेख में भूमि पूजन संपन्न हुआ।

शिक्षामित्र से शिक्षक बने शिक्षकों के पुरानी पेंशन विकल्प को लेकर बीएसए को सौपा ज्ञापन

संवाददाता–बस्ती। बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में पदाधिकारियों, शिक्षकों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने शिक्षामित्र से शिक्षक बने शिक्षकों के पुरानी पेंशन विकल्प को लिए जाने को लेकर बीएसए को ज्ञापन सौपा।

बीएसए को ज्ञापन सौंपने के दौरान वार्ता में जिला अध्यक्ष चंद्रिका सिंह व मंत्री बालकृष्ण ओझा ने बताया कि वर्ष 2001 के बाद नियुक्त शिक्षा मित्रों में से कई शिक्षामित्रों की नियुक्ति शिक्षको के रूप में गुणांक का लाभ पाकर शिक्षक के पद पर हुई है । सरकार द्वारा वर्ष 2005 के पूर्व के नियुक्ति पाए शिक्षकों को पुरानी पेंशन के श्रेणी में भेज रही है । इसी क्रम में शिक्षामित्र ने भी वर्ष 2001 से अपनी सेवा निरंतर दी है और इस सेवा के फल स्वरूप उन्हें वर्ष 2015 और 2018 में गुणक के आधार पर शिक्षक बनाया गया है इसलिए वह शिक्षक भी पुरानी पेंशन पाने के हकदार हैं।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा ने बीएसए से आग्रह किया कि शिक्षामित्र से शिक्षक बने शिक्षकों के पुरानी पेंशन विकल्प को लिए जाने को लेकर आ रही बाधाओं का प्राथमिकता से निस्तारण कराया जाय।

इसी क्रम में बड़ी संख्या में शिक्षामित्र से शिक्षक बने शिक्षकों ने पूर्व में भेजे गए कई न्यायालय आदेश व अन्य विभागों के आदेश सहित ज्ञापन बीएसए को सौपा । बीएसए ने जल्द ही उचित कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है । ज्ञापन सौंपने वालों में कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, सुधीर तिवारी, गुरु चरण ,शिवनाथ चौधरी,चंदन पांडेय, अनूप सिंह,घनश्याम चौधरी, राजेन्द्र कुमार, सनद पटेल ,सुरेश गौड़ आदि शामिल रहे।

बहादुर बच्चों ने असंभव को संभव बना दिया– खालिदा जिया

ढाका (आभा)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया जेल से रिहा हो गई हैं। खालिदा कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से घर में नजरबंद थीं। रिहाई होते ही उन्होंने सबसे पहले बांग्लादेश के प्रदर्शनकारियों को 'बहादुर' बताते हुए धन्यवाद कहा। खालिदा जिया ने कहा कि 'बहादुर बच्चों ने असंभव को संभव बना दिया।' बता दें कि बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री पद से शेख हसीना का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को रिहा करने का भी आदेश दिया था।जेल से रिहा होने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में, खालिदा जिया ने अपने देशवासियों से 'एक ऐसा लोकतांत्रिक बांग्लादेश बनाने का आग्रह किया, जहां सभी धर्मों का सम्मान किया जाता हो'। बांग्ला में एक वीडियो संदेश में, खालिदा जिया ने कहा, 'आप सभी मेरे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना कर रहे थे। मैं स्वस्थ हूं।

पुण्य तिथि पर याद किये गये गांधीवांदी विचारक वंशीधर दूबे

संवाददाता–बस्ती। प्रसिद्ध गांधीवांदी विचारक कला प्रसार समिति के पूर्व उप सभापति वंशीधर दूबे को उनके तेरहवीं पुण्य तिथि पर याद किया गया। बुधवार को समिति की सदस्य सीमा तिवारी के संयोजन में समिति पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गांधी कला भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बापू प्रतिमा को नमन् किया।

माल्यार्पण के बाद एक गोष्ठी आयोजित कर वंशीधर दूबे के योगदान को याद किया गया। वीरेन्द्रनाथ पाण्डेय, ओम प्रकाश लाल श्रीवास्तव, अमरनाथ शुक्ला, गौरवमणि त्रिपाठी आदि ने कहा कि वंशीधर दूबे ने गांधी कला भवन को आधार बनाकर बापू के विचारों से लोगों को जोड़ने का आखिरी क्षण तक अपना प्रयास जारी रखा। वे प्रसिद्ध गांधीवादी थे। आज गांधी कला भवन को विकास प्राधिकरण का कार्यालय बना दिया गया है, इसके बाद से ही वैचारिकी का प्रमुख स्थल हाशिये पर है। इसके बावजूद प्रसिद्ध गांधीवादी वंशीधर दूबे का योगदान सदैव याद किया जायेगा।

विनय दूबे, शिवाकान्त तिवारी, गगन मिश्र, सूर्यकान्त त्रिपाठी, विवेक पाल, विद्या प्रसाद पाण्डेय, आदि ने बंशीधर दूबे के योगदान को स्मरण करते हुये कहा कि वे आखिरी क्षणों तक महात्मा गांधी के विचारों को जन–जन से जोड़ने के लिये प्रयत्नशील रहे ।

वंशीधर दूबे को नमन् करने वालों में श्रीमती सीमा, पूनम, रश्मि, पद्मेश, उदय स्वरूप, गणेश प्रसाद, सन्तोष कुमार पाण्डेय, विनय कुमार श्रीवास्तव, गिरीश चन्द्र मिश्र, पं. चन्द्रबली मिश्र, दीनानाथ यादव, यजत, पल्टूराम, बब्लू पाण्डेय, विद्या सागर पाण्डेय आदि शामिल रहे।

पहाड़ों में घुसा हेलीकाप्टर, नेपाल में 5 के मौत की आशंका

काठमाण्डू (आभा)। नेपाल की राजधानी काठमांडू के उत्तर–पश्चिमी पर्वतीय क्षेत्र में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया । इस हेलिकॉप्टर में 5 लोग सवार थे। सभी लोगों के मारे जाने की आशंका है। एक महीने से भी कम समय में नेपाल में यह दूसरी हेलिकॉप्टर क्रैश की घटना सामने आई है। नेपाल पुलिस ने बताया, 'हमें जानकारी मिली है कि एक हेलिकॉप्टर, जो कि पहाड़ी क्षेत्र में उड़ान भर रहा था, दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इस हेलिकॉप्टर में पांच लोग सवार थे। बचाव दल को तुरंत मौके पर भेजा गया है और हम दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं।' नेपाल के कठिन भौगोलिक क्षेत्र और बदलते मौसम के कारण यहां हवाई दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। हालांकि, लगातार दो हफ्तों में हुई दुर्घटनाएं बेहद चिंता का विषय हैं।

चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष बने मनसाराम

संवाददाता–बस्ती। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष मनसाराम निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुने गये हैं। लखनऊ के दारूलशफा कामन हाल में हुये अधिवेशन में सर्व सम्मत से मनसाराम को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। चुनाव अधिकारी यादवेन्द्र मिश्र ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाया।

बस्ती पहुंचने पर गुरूवार को लोहिया काम्पलेक्स में उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारियो, सदस्यों ने मनसाराम का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। मनसाराम ने बताया कि अति शीघ्र कार्यकारिणी का विस्तार कर पदाधिकारियों की घोषणा की जायेगी। बताया कि उनका लक्ष्य चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारियों की लम्बे समय से चली आ रही मांगों को चरणबद्ध ढंग से पूरा कराना है।

उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष मनसाराम का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से पिताम्बर चौधरी, बलराम कन्नौजिया, सोमईराम आजाद, सुनील कमार, शिव कुमार, सुभाष चन्द्र, सन्तोष कुमार, मनोज आर्य, राम प्रकाश, राधेयाम, नियामतुल्लाह, सन्तोष शर्मा आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

गोकशी रोकने, दोषियों पर कार्रवाई की मांग: विश्व हिन्दू महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–बस्ती। गुरूवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में महासंघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि वाल्टरगंज, नगर थाना क्षेत्रों में गोकशी को तत्काल प्रभाव से रोक कर दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय। यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई न हुई तो महासंघ धरना, प्रदर्शन, आन्दोलन को बाध्य होगा।

ज्ञापन सौंपने के बाद विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि वाल्टरगंज, नगर थाना क्षेत्रों के साथ ही जनपद अनेक गांवों में सुनियोजित रूप से गोकशी की घटनायें सामने आ रही हैं। विश्व हिन्दू महासंघ ने समय–समय पर इसका मुद्दा उठाया। एक तरफ जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार का लक्ष्य गो–कशी पर शतप्रतिशत नियंत्रण करने का लक्ष्य है, वहीं हिन्दुओं के आस्था के प्रति श्रावण मास में भी जनपद बस्ती में विभिन्न स्थानो पर गो–कशी हो रही है। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम–वेलहरा, में गो–माता के कटे हुए पैर, खाल, गोमांस तथा अन्य अवशेष गत 6 अगस्त को देखे गये है, नगर थाना क्षेत्र के प्रतापपुर चौराहे के पास भी गो–माता के कटे हुए पैर, खाल, गोमांस तथा अन्य अवशेष 6 अगस्त को ही देखे गये है, इससे स्पष्ट है कि उक्त स्थान पर गो–कशी हुई है। विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि धार्मिक भावनाओं पर कुठाराघात की नीयत से ऐसी घटनायें सामने आ रही है। इसे हिन्दू समाज बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होने प्रशासन ने मांग किया कि प्रकरण में त्वरित कार्यवाही कर दोषियों को गिरफ्तार करने के साथ ही गोकशी से अर्जित उनकी सम्पत्तियों को भी जप्त कराया जाय। ज्ञापन सौंपने वालों में अधिवक्ता प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री कुलदीप मिश्रा बालकृष्ण सिंह 'मंटू' चौधरी विजय शंकर शुक्ला, विन्द गोपाल त्रिपाठी, अमरजीत सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह, डॉ परशुराम साहनी, विष्णु प्रताप सिंह, अंकित सिंह, राजेश गुप्ता, सतीश पाण्डेय, जगत मोहन सिंह 'बिक्कू', विपिन सिंह, रूपनारायण गौड़, अमरदीप श्रीवास्तव, राहुल सिंह, चंद्रेश पाठक, यमुना प्रसाद, विष्णु प्रताप सिंह, राघवेंद्र विश्वकर्मा, शिव सहाय सिंह के साथ ही विश्व हिन्दू महासंघ के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

विनेश फोगाट को मिल सकता है ओलंपिक मेडल

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय महिला रेसलर एथलीट विनेश फोगाट ने कुश्ती को अलविदा कह दिया है। पेरिस ओलंपिक 2024 में 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल गोल्ड मेडल मैच से ठीक पहले तय वजन सीमा से 100 ग्राम वजन अधिक होने की वजह से उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया था। विनेश फोगाट ने इस फैसले को लेकर कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में अपील की थी कि उन्हें कम से कम सिल्वर मेडल दिया जाए जिस पर अब सीएसए ने उनकी अपील को स्वीकार कर लिया है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि उन्हें ओलंपिक मेडल मिल सकता है।

जनहित की मांगों को लेकर 12 अगस्त से जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना देंगे सुदामा

संवाददाता–बस्ती। जनहित के विभिन्न मांग पत्रों पर कोई कार्यवाही न होने के चलते 12 अगस्त दिन सोमवार से भाजपा नेता व समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' द्वारा अनिश्चितकालीन धरना दिया जायेगा।

चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि वे भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता होने के साथ साथ निरन्तर जनहित समाज हित में काम करने सामाजिक समस्याओं को उच्चाधिकारियों के पटल पर पहुंचा कर लोगों को न्याय दिलाने का काम करते रहे है । बीते कुछ दिनों से जनपद के अधिकारियों द्वारा कार्यकर्ताओं के मांग पत्र पर कार्यवाही तो दूर उल्टा उनको ही परेशान कर जनहित में आवाज दबाना चाह रहे हैं। इससे जहां आम जनता के हित में काम नहीं हो पा रहा है वहीं सरकार की भी छवि धूमिल हो रही है और कुछ अधिकारी तो जानबूझकर सरकार की छवि धूमिल करने पर लगे हुए हैं ।

इसी क्रम में बस्ती जनपद के विकास खण्ड हर्रैया में लगातार तीन वर्षों से तैनात खण्ड शिक्षा अधिकारी बड़कऊ बर्मा जो कि शिक्षकों के साथ भेदभाव तो करते ही हैं लोकसभा चुनाव के दौरान परशुराम जयंती के दिन भगवान परशुराम के चित्र को विकृत कर की शिक्षक ग्रुपों में वायरल कर दिया जिसको लेकर कई बार कर्मचारी सेवा नियमावली के विपरीत उनके कृत्य के चलते कठोर कार्यवाही की मांग जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व खुद जिला अधिकारी बस्ती से की किन्तु कार्यवाही तो दूर उनके कार्यक्षेत्र तक में बदलाव नहीं किया गया। सूबे के मुख्यमंत्री सहित सूबे के उच्चाधिकारियों को ज्ञापन प्रेषित किया गया, किन्तु उसे सम्भवतः अग्रेषित न कर रद्दी की टोकरी में डाल दिया गया और उनकी आवाज दबाने की नियत से उनकी शिक्षिका पत्नी को एक नोटिस देते हुए जुलाई माह का वेतन रोक दिया गया जबकि इनके नोटिस का इनके कार्यकाल में रिसीव करा दिया गया था । जब उनकी शिक्षिका पत्नी के पास वित्तीय चार्ज नहीं है और वो वर्तमान में शासन द्वारा देय शिशु देखभाल अवकाश पर हैं तो ऐसे में विद्यालय में दूध वितरण न होने की जिम्मेदार वो कैसे हैं।

इतना ही नहीं जनपद में प्रस्तावित 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के अन्तर्गत आने वाले किसानों के जमीन का मनमाने ढंग से जारी मुवावजा का मामला हो या टोल चोरी करने की नियति से ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों से भारी वाहनों के गुजरने से बदहाल हो रही सडक की सुरक्षा हेतु हाईट वैरियर लगाने की मांग हो अथवा तहसील, ब्लाक, सीएचसी, पीएचसी में व्याप्त अनियमितता की शिकायत हो उसके निस्तारण की जगह अधिकारियों द्वारा प्रार्थना पत्र को ही दबा दिया जा रहा है जबकि पूर्व में तहसील के उप जिलाधिकारी रहे हों या जिले के जिलाधिकारी वे न केवल समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराते थे अपितु कृत कार्यवाही से अवगत भी कराते थे।

मांगों को लेकर हो रही हीलाहवाली के सवालों को लेकर भाजपा नेता सुदामा ने 12 अगस्त से डीएम कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी दिया है।

वक्फ विधेयक जेपीसी को भेजने का निर्णय

नई दिल्ली (आभा)। केंद्र सरकार ने वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित एक विधेयक गुरूवार (08 अगस्त) को लोकसभा में पेश किया था लेकिन सदन में विपक्षी दलों के भारी विरोध को देखते हुए इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने का फैसला किया है। दूसरी तरफ, सरकार ने राज्यसभा से वक्फ संशोधन विधेयक, 2014 को वापस ले लिया है। पिछले 10 सालों में यानी नरेंद्र मोदी की सरकार में ऐसा पहली बार हुआ है, जब सदन में कोई बिल पारित होने से अटका हो और उसे जेपीसी में भेजा गया हो।

इससे पहले, केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024' पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया, ''संयुक्त संसदीय समिति का गठन करें और विधेयक को व्यापक चर्चा के लिए उसके (जेपीसी के) पास भेजें। विधेयक पर चर्चा के लिए अधिक से अधिक हितधारकों को बुलाएं, उनकी राय सुनें। इसे (विधेयक को) समिति को भेजें, और भविष्य में हम उनके (सदस्यों के) सुझावों को खुले दिल से सुनेंगे...।''

इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, ''मैं सभी दलों के नेताओं से बात करके इस संयुक्त संसदीय समिति का गठन करुंगा।''

अगौना में आचार्य शुक्ल की प्रतिमा के सामने से शौचालय हटवाने की मांग

संवाददाता–बस्ती। जिला एकीकरण समिति के सदस्य सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन उपाध्याय ने जिलाधिकारी से मांग किया है कि बहादुरपुर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत अगौना में स्थित आचार्य राम चन्द्र शुक्ल पुस्तकालय एवं शोध भवन में उनकी प्रतिमा के निकट से शौचालय को हटवाया जाय। इसके साथ ही प्रतिमा स्थल तक जाने वाली सड़क का निर्माण कराया जाय।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन उपाध्याय ने कहा है कि हिन्दी साहित्य के समालोचना विद्या के शिकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अपने जन्म स्थान अगौना में ही उपेक्षा के शिखर है। तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं वर्तमान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वर्ष 2001 में आचार्य राम चन्द्र शुक्ल पुस्तकालय एवं शोध भवन का शिलान्यास किया था। तत्कालीन मण्डलायुक्त विनोद शंकर चौबे ने अगौना के विकास और आचार्य राम चन्द्र शुक्ल की स्मृतियों को सहेजने की दिशा में अनेक कार्य किया। दुर्भाग्य से कुछ लोग आचार्य शुक्ल के महत्व को नहीं समझ पा रहे हैं। आचार्य राम चन्द्र शुक्ल पुस्तकालय एवं शोध भवन में उनकी प्रतिमा के निकट शौचालय बनवा दिया गया। इसे लेकर ग्रामीणों और साहित्यकारों, प्रबुद्ध वर्ग में रोष है। शौचालय का दरवाजा श्री शुक्ल की प्रतिमा के सामने से खुलता है। उन्होने मांग किया है कि तत्काल प्रभाव से आचार्य राम चन्द्र शुक्ल पुस्तकालय एवं शोध भवन में स्थित श्री शुक्ल की प्रतिमा के सामने से शौचालय को अन्यत्र हटवाया जाय। कहा कि आजादी के अमृत काल में आचार्य शुक्ल जैसे विद्वान की प्रतिमा का अपमान अपने ही घर में दुर्भाग्यपूर्ण और चिन्ताजनक है।

पुलिस में नहीं हुई सुनवाई तो युवक ने किया आत्मदाह

संवाददाता–बहराइच। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के निकट स्थित शहीद पार्क में बुधवार दोपहर को एक व्यक्ति ने खुद को ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा लिया। आसपास के लोगों ने किसी तरह कंबल डालकर आग बुझाया। इसके बाद उसे एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। व्यक्ति 60 प्रतिशत झुलस गया है। कोतवाली नगर के मोहल्ला चांदपुरा निवासी कमरुद्दीन (53) के खिलाफ कुछ लोगों ने केस दर्ज कराया है। उसका कहना है कि पुलिस ने फर्जी प्रार्थना पत्र के आधार पर केस दर्ज कर लिया है और उसके उसके पत्र पर कोई जांच नहीं की जा रही है। इसको लेकर बुधवार सुबह शहीद पार्क में बैठ गया। कोई सुनवाई न होता देख दोपहर को व्यक्ति ने खुद के ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली।

आसपास मौजूद लोगों ने युवक को आग का गोला बना देख हड़कंप मच गया। सभी ने कंबल और पानी डालकर आग बुझाया। इसके बाद उसे एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, पुलिस अधीक्षक कार्यालय और कोतवाली नगर के बीच में स्थित शहीद पार्क में हुई इस घटना को लेकर सुरक्षा पर कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। नगर कोतवाल मनोज पांडे का कहना है कि व्यक्ति ने किस कारण आग लगाई है, अभी यह जानकारी नहीं हुई है। जांच की जारी है।

शहीद पार्क में आग लगने वाले कमरुद्दीन ने लाल रंग या खून से पत्र लिखा है। जिसमें उसने लिखा है कि अगर मेरी मौत होती है जैनुल आब्दीन, उनके पुत्र गुलफाम और सद्दाम जिम्मेदार होंगे।

सपा के युवा संगठनों ने बनाई सदस्यता अभियान की रणनीति

संवाददाता–देवरिया। समाजवादी पार्टी युवा फ्रंटल संगठनों समाजवादी युवजन सभा, समाजवादी लोहिया वाहिनी, यूथ ब्रिगेड एवं छात्र सभा की बैठक बुधवार को बसियवा स्थित सपा कार्यालय पर हुई। बैठक में अगस्त क्रांति दिवस 9 अगस्त से प्रस्तावित सदस्यता अभियान, छात्र, नौजवान पीडीए जन जागरूकता अभियान को सफल बनाने की रणनीति बनाई गई। बैठक में समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष रणवीर यादव ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर 9 अगस्त से प्रस्तावित सदस्यता अभियान, छात्र, नौजवान पीडीए जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम को जिले में युवा कार्यकर्ताओं की बदौलत ऐतिहासिक बनाया जायेगा। चारों फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दे दी गयी है। युवा कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ हैं। जिले में बड़ी संख्या में नये नौजवानों को पार्टी से जोड़ा जायेगा। फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता डिग्री कालेजों, इंटर कालेजों एवं गाँव–गाँव जाकर छात्रों, नौजवानों को पीडीए के पक्ष में जागरूक करने का कार्य करेंगे। भाजपा सरकार में छात्रों, नौजवानों का शोषण हो रहा है। भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पेपर लीक, किसानों की दुर्दशा, महिलाओं पर हो रहे अत्याचार, खराब कानून व्यवस्था से जनता परेशान है। प्रदेश का नौजवान आशा भरी नजरों से अखिलेश यादव के तरफ देख रहा है।

सपा नेता विजय रावत व जिला उपाध्यक्ष एनपी यादव ने कहा कि नौजवानों के बल पर सपा 2027 में सत्ता में आयेगी। सपा में ही नौजवानों का भविष्य सुरक्षित है। भाजपा सरकार नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। नौजवान बेरोजगारी से तंग आकर आत्महत्या करने को मजबूर है।

बैठक की अध्यक्षता यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष खुर्शेद आलम व संचालन छात्र सभा के जिलाध्यक्ष मनोज यादव ने किया। बैठक को जिला महासचिव मंजूर हसन, सपा के जिला सचिव दयाशंकर यादव, नित्या त्रिपाठी, अवनीश यादव, सूरज कुशवाहा, पिंटू राय, विजय यादव, अमरनाथ, सूरज यादव, श्यामसुंदर निषाद, गोपी यादव ने सम्बोधित किया।

बैठक में सत्यपाल यादव, जितेश, अमित सोनकर, काका चौधरी, सत्येंद्र सत्या, रणविजय सिंह, सत्येंद्र भारती, शिवनाथ, सोनू प्रकाश, इबरार अहमद, बृजमोहन जयराम, सुनील यादव, लारेब रहमान, सुहेल अंसारी, पंकज यादव आदि रहे।

पुलिस भर्ती के परीक्षा केन्द्रों का लिया जायजा, सतर्क रहने का निर्देश

संवाददाता–महराजगंज। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती के लिए जिले में कुल छह परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केन्द्रों पर कुल 3144 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। डीएम अनुनय झा व एसपी सोमेन्द्र मीना ने बुधवार को इन चिह्नित परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। केन्द्रों की व्यवस्था देखी और पूरी सतर्कता बरतने का निर्देश मातहतों को दिया। निरीक्षण के क्रम में डीएम व एसपी जीएसवीएस इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज महराजगंज, डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय धनेवा धनेई, महामाया राजकीय आईटी पालीटेक्निक धनेवा धनेई पहुंचे। डीएम ने निरीक्षण के दौरान परीक्षा के लिए केंद्र में प्रवेश व निकास द्वार, परीक्षा कक्षों, प्रस्तावित कंट्रोल रुम, सीसीटीवी, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था आदि की जानकारी ली। निर्देश दिया कि केंद्र पर उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों एवं निर्देशों का शत–प्रतिशत अनुपालन किया जाए। सभी केंद्रों पर साफ–सफाई एवं उचित प्रकाश व्यवस्था रहे। प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी चालू हालत में रहें। उन्होंने परीक्षा के लिए सभी व्यवस्थाओं को समय से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान एसपी ने परीक्षा के दौरान सुचारू ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसडीएम सदर को आवश्यक निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सदर रमेश कुमार, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी और संबंधित केन्द्रों के प्राचार्यध्प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

चौकीदार व गार्डों का जरूर कराएं पुलिस वेरिफिकेशन–एसपी

संवाददाता–श्रावस्ती। व्यापारियों की समस्याओं को जानने के लिए पुलिस अधीक्षक ने बुधवार को व्यापारियों के साथ मासिक गोष्ठी की। जिसमें एसपी ने समस्याएं जानीं और समाधान का आश्वासन दिया। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने व्यापारियों से उनकी प्रमुख समस्याओं की जानकारी ली। व्यापारियों की ओर से यातायात, सड़क अतिक्रमण, टैक्सी, बस स्टैंड की व्यवस्था न होने तथा थाना व चौकियों में निरंतर बैठक न होने जैसी समस्याओं से एसपी को अवगत कराया। इस पर एसपी ने समस्याओं का समाधान कराने का अश्वासन दिया। एसपी ने कहा कि सर्राफा, पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, ईंट भट्ठा आदि प्रतिष्ठानों पर जो भी गार्ड व चौकीदार रखें उनका पुलिस वेरिफिकेशन जरूर कराएं। चोरी व लूट आदि की घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी व्यवसायी अच्छी क्वालिटी के सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगवाएं। अग्निकांड जैसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी सुरक्षा के उपकरण लगवाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही एसपी ने ऑनलाइन ठगी, साइबर अपराध से बचने के लिए अपना ओटीपी किसी से शेयर न करने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने तथा अपनी बैंक डिटेल किसी अनजान से शेयर न करने की सलाह दी। इस मौके पर एएसपी प्रवीण कुमार यादव, अध्यक्ष उद्योग व्यापार दीनानाथ गुप्ता, आलम गिर, अलगर अली, राजेश कुमार रस्तोगी, घनश्याम रस्तोगी, धर्मवीर सोनी आदि मौजूद रहे।

सांप्रदायिक तत्वों के चलते खतरे में है संविधान -विश्वकर्मा

संवाददाता–गोण्डा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि सांप्रदायिकता की वजह से संविधान खतरे में है। समाज के सभी पिछड़ों, दलितों,अल्पसंख्यकों पीड़ित, शोषित, अगड़ों को संगठित होकर संविधान की रक्षा के लिए आगे आना होगा। वह शहर के टाउन हॉल में बुधवार को पार्टी की ओर से संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष अरशद हुसैन ने आरोप लगाया कि सांप्रदायिक ताकतों की वजह से संविधान खतरे में है। अपने अधिकारों के लिए हमें कोई भी संघर्ष करना पड़ सकता है। इसके लिए कार्यकर्ता और पदाधिकारी हमेशा आर पार की लड़ाई के लिए तैयार रहे। सपा के प्रदेश सचिव व विधायक अताउर्रहमान ने कहा कि सबसे पहले हम सभी को अपने–अपने बूथों की वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने की जरूरत है। पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह ने कहा कि संविधान विरोधी ताकतों से आर–पार की लड़ाई लड़नी होगी । पूर्व विधायक बैजनाथ दुबे ने कहा कि देश के संविधान को बचाने की जिम्मेदारी सभी की है । पूर्व विधायक नंदिता शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर संविधान की रक्षा में संघर्ष करने की सभी ने शपथ ली। पूर्व एमएलसी महफूज खां ने कहा कि जब 2027 में समाजवादी सरकार बनेगी तभी गंगा जमुनी तहजीब की रक्षा की जा सकेगी ।

सपा नेता सूरज सिंह ने हर संघर्ष में साथ देने का वादा किया। राष्ट्रीय सचिव मसूद आलम खान, सपा नेता संजय विद्यार्थी, युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरफराज हुसैन उर्फ सोनू ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश दीक्षित ने किया। जिला अध्यक्ष अरशद हुसैन ने बसपा जिला उपाध्यक्ष आदिल तलत के साथ दर्जनों लोगों को पार्टी में शामिल कराया। इस दौरान राहुल शुक्ला ,अजय गौतम, अशोक यादव ,हाजी मोहम्मद जकी, सुरेश शुक्ला, शमीम अच्छन, राजेश मिश्रा, रामसबूरे मिश्रा, बलराम यादव, शिवकुमार विश्वकर्मा, ननके खान ने भी संबोधित किया।

संदीक्षा सदस्यों ने मनाया हरियाली तीज का त्योहार

संवाददाता–श्रावस्ती। 62वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय भिनगा में बुधवार को संदीक्षा सदस्यों ने हरियाली तीज का त्योहार धूम धाम से मनाया। महिलाएं परंपरागत वेशभूषा में सज–धज कर तैयार हुई। इस मौके पर विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ संदीक्षा अध्यक्ष प्रेरणा शर्मा ने किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। इस मौके पर विभिन्न प्रकार के नृत्य, गायन और नाटक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। महिलाओं ने परंपरागत वेशभूषा में सज–धज कर तीज के गीत गाए और झूले का भी आनंद लिया। महिलाओं के बीच मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं के साथ बच्चों ने भी बढ़–चढ़कर भाग लिया व अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रेरणा शर्मा ने कहा कि हरियाली तीज हमें हमारे सांस्कृतिक और पारंपरिक मूल्यों की याद दिलाती है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ जुड़ने और समाज में भाईचारे व सद्भावना का संदेश देता है। उन्होंने वाहिनी के सभी सदस्यों और उनके परिवारों की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान एसएसबी की महिला बलकर्मियों ने भी संदीक्षा सदस्यों के साथ मिलकर त्योहार का आनंद लिया। इस मौके पर सुमीता देवी, अनुराधा कुमारी सहित वाहिनी के महिला बलकर्मी व पारिवारिक आवास में रह रहे सभी संदीक्षा सदस्य, महिलाएं व बच्चे मौजूद रहे।

फर्जी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पर जारी कर दिए हैवी लाइसेंस

संवाददाता–बहराइच। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में हैवी लाइसेंस के फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। फर्जी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र व अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर पर गुपचुप लाइसेंस जारी करा दिए गए हैं। लखनऊ टीम की जांच में यह मामला सामने आया है। तथ्य सामने आने पर अधिकारी भी सकते में हैं। ट्रेनिंग स्कूल व लिपिकों के गठजोड़ को देखते हुए जांच चल रही है। इसमें भी बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। एआरटीओ दफ्तर में दलालों की जड़े गहरी हैं। रिकार्ड रूम तक ही उनकी पहुंच नहीं है, बल्कि एआरटीओ के फर्जी हस्ताक्षर करने में भी निपुण हैं। जिसके जरिए दर्जनों चालकों के हैवी लाइसेंस तक जारी करा दिए गए हैं। लाइसेंस जारी कराने को लेकर फर्जी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र के रूप में पांच नंबर फार्म भी जारी कर दिए गए। इसी के आधार पर विभागीय पोर्टल पर डाटा अपलोड कराया गया है। शिकायत पर पहुंची लखनऊ की टीम ने लाइसेंस व प्रशिक्षण अभिलेखों की रेंडम जांच किया तो दंग रह गई। कई सीरियल नंबर गलत पाए गए। बिना एआरटीओ, आरआई की स्वीकृति से ही लाइसेंस को अप्रूव्ड किया गया है। कई जगह बने हस्ताक्षर भी एआरटीओ के फर्जी पाए गए हैं। इस खुलासे ने कार्यालय में फैले दलालों के मकड़जाल की पुष्टि कर ही रहा है। विभागीय अधिकारियों की नौकरी पर भी संकट पैदा हो सकता है। जांच टीम सभी दस्तावेजों की फोटो प्रतिलिपि अपने साथ ले गई है। जिले में एक ही वाहन प्रशिक्षण स्कूल संचालित हो रहा है। कई चालकों ने बताया कि प्रवेश से लेकर प्रशिक्षण तक खानापूर्ति की जाती है। इसके एवज में नौ से दस हजार रुपये तक लिए जाते हैं। पांच नंबर फार्म जारी कर देते हैं। बायोमैट्रिक के समय स्कूटनी के दौरान भी उनसे शुल्क लिया जाता है।

मुख्यालय से वाहन के अनुसार 25 नंबर फार्म स्कूल संचालक को उपलब्ध कराया जाता है। एक वाहन पर 24 फार्म एक माह के लिए दिए जाते हैं, लेकिन कइयों को डुप्लीकेट फार्म जारी किए गए हैं। अगर जांच आगे बढ़ी तो वाहन प्रशिक्षण स्कूल संचालक की भी मुश्किलें बढ़ेंगी। राजीव कुमार, एआरटीओ, प्रशासन ने कहा कि लाइसेंस से जुड़ी जांच के लिए टीम बहराइच आई हुई थी। टीम ने जांच किया है। रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को सौपेगी।

पत्नी को जलाने व कान काटने का आरोपी पति गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। महिला ग्राम प्रधान के साथ जुल्म की सारी हदें पार करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। 15 दिनों ने आरोपी खुद की पत्नी के साथ अत्याचार कर रहा था। घर में कैद रखा और शरीर को जलाया साथ ही कान भी काट दिया। महिला की तहरीर पर मंगलवार को पुलिस ने मामला दर्ज कया था।

इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम पटखौली कलां निवासी महिला ग्राम प्रधान श्रीदेवी पासवान (37) पर पति बलराम पासवान ने जुल्म की हद पार कर दी थी। आरोपी ने पत्नी महिला ग्राम प्रधान को पिछले 15 दिनों से घर में कैद कर रखा था और खाना पानी भी कभी कभार दे रहा था। मंगलवार सुबह आरोपी ने प्लास्टिक जला कर दोनों हाथों को जला दिया और चेहरे पर भी जलती प्लास्टिक डाल दी इससे महिला ग्राम प्रधान का चेहरा झुलस गया। इतने पर भी जब आरोपी का मन नहीं भरा तो उसने हंसिए से महिला का एक कान भी काट लिया। कैद से छूटकर महिला ग्राम प्रधान ने गांव के ही किसी के घर में छिपकर अपनी जान बचाई। महिला दुर्दशा देकर किसी ने इकौना पुलिस सूचित किया। इस पर प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर गए और महिला को को पुलिस जीप से सीएचसी इकौना में लाकर भर्ती कराया। पुलिस ने तहरीर लेकर आरोपी पति बलराम के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया और गिरफ्तारी के लिए दबिश में जुट गई। बुधवार को पुलिस ने इण्डियन बैंक सेमगढ़ा के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह, निरीक्षक दिलीप कुमार यादव, उपनिरीक्षक रामप्रसाद यादव, उपनिरीक्षक विशाल शुक्ला आदि शामिल रहे। आरोपी बलराम पुत्र मूने पासी थाना इकौना का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। जिसके विरुद्ध चोरी, लूट, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट सहित अन्य गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपित के विरुद्ध श्रावस्ती के इकौना थाने में आठ, कोतवाली भिनगा, थाना सोनवा व थाना सिरसिया में एक–एक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके साथ ही थाना कोतवाली नगर बहराइच व बहराइच के थाना पयागपुर में गुण्डा एक्ट, आर्म्स एक्ट आदि अपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी के विरुद्ध गंभीर धाराओं में कुल 14 मुकद्में दर्ज हैं। जो कई बार जेल भी जा चुका है।

वन विभाग टीम ने 11 बोटा खैर लकड़ी के साथ पिकअप पकड़ी

संवाददाता–बलरामपुर।। सोहेलवा वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र के बनकटवा रेंज अन्तर्गत चौधरीडीह कक्ष संख्या तीन में वन माफिया दो खैर के पेड़ काटकर 11 बोटा लकड़ी लेकर भाग रहे थे। वन विभाग की टीम ने दबिश दी तो वन माफिया लकड़ी भरी गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। लकड़ी छिपाने के लिए उन्हें भूसी भरी बोरियों से ढक दिया गया था। यह कार्रवाई बनकटवा रेंज वन विभाग टीम ने मुखविर की सूचना पर बुधवार को की है। जंगल में लगे खैर के वृक्षों को लाल सोना के रूप में जाना जाता है। खैर वृक्ष वन माफिया के निशानें पर हमेंशा रहते हैं। बुधवार भोर करीब चार बजे बनकटवा रेंजर शत्रोहन लाल को सूचना मिली कि कुछ लोगों ने खैर वृक्ष की कटान की है वे उसे लेकर भागने की फिराक में हैं। भोर चार बजे आसमान में काले बादल छाए थे। हल्की बूंदा बांदी हो रही थी। इसी बीच पिकअप पर लदे खैर के 11 बोटे के साथ करीब आठ लोग सवार होकर आ रहे थे। सूचना मिलने पर चौधरीडी बरदौलिया मार्ग पर रेंजर शत्रुहन लाल, राज प्रताप, राजू व वन रक्षक के साथ टीम मौजूद थी। चौधरीडीह के आगे सुल्ताना गांव के पास टीम को एक पिकअप आती हुई दिखाई दी। इस पर वन विभाग टीम पिकअप को रोकती उससे पहले ही वन माफियाओं ने वन विभाग टीम को देख लिया और वे पिकअप व खैर के बोटे छोड़ अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गए। वन विभाग टीम ने पिकअप को कब्जे में लेकर उसकी जांच की तो पाया कि उस पर 11 बोटे खैर के बोटे लदे हैं। साथ ही वन माफियाओं ने खैर बोटे को छिपाने के लिए भूसी भरी बोरियां पिकअप के पीछे लाद रखी थीं। वन रेंजर शत्रोहन लाल ने बताया कि 11 बोटे के साथ पिकअप को वन रेंज लाकर विधिक कार्रवाई कर रही है। वन माफियाओं की तलाश की जा रही है।

सीएम योगी बोले– पड़ोसी मुल्कों में हिंदुओं को खोज कर मारा जा रहा है, हमें सनातन के लिए एक होना होगा

संवाददाता–अयोध्या। आज दुनिया की तस्वीर हम सभी देख रहे हैं। भारत का आस–पड़ोस जल रहा है, मंदिर तोड़े जा रहे हैं। हिंदुओं को चुन–चुनकर निशाना बनाया जा रहा है। तब भी हम इतिहास के तथ्यों को ढूंढने का प्रयास नहीं कर रहे कि वहां ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति क्यों पैदा हुई है। जो समाज इतिहास की गलतियों से सबक नहीं सीखता है, उसके उज्ज्वल भविष्य पर भी ग्रहण लगता है। सनातन धर्म पर आने वाले संकट के लिए फिर एकजुट होकर कार्य करने और लड़ने की आवश्यकता है। राम मंदिर का निर्माण मंजिल नहीं, पड़ाव है। इसे आगे भी निरंतरता देनी है। सनातन धर्म की मजबूती इन अभियानों को नई गति देती है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। उन्होंने बुधवार को दिगंबर अखाड़ा में श्रीराम जन्मभूमि न्यास के पूर्व अध्यक्ष ब्रह्मलीन परमहंस रामचंद्र दास की 21वीं पुण्यतिथि पर उनकी मूर्ति का अनावरण किया। सीएम ने यहां पूजन–अर्चन व पौधरोपण भी किया। इसके पश्चात सीएम ने साधु–संतों संग भंडारे में प्रसाद भी ग्रहण किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के परम भक्त पूज्य ब्रह्मलीन परमहंस रामचंद्र दास का पूरा जीवन रामजन्मभूमि के लिए समर्पित रहा। उन्होंने इस आंदोलन को जीवन का मिशन बनाया। संतों का संकल्प एक साथ एक स्वर में बढ़ा तो अयोध्या में मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। मेरा सौभाग्य है कि 21वर्ष बाद ही सही, उनकी प्रतिमा के स्थापना का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है।

सीएम योगी ने कहा कि गोरक्षपीठ गोरखपुर और दिगंबर अखाड़ा अयोध्या 1940 के दशक से एक दूसरे के पूरक बनकर कार्य करते थे। जब रामचंद्र दास महराज बचपन में अयोध्या धाम आए थे, तबसे उनका लगाव गोरक्षपीठ से था। तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ के सानिध्य में रहकर रामजन्मभूमि आंदोलन आगे बढ़ा। 1949 में रामलला के प्रकटीकरण के साथ ही तत्कालीन सरकार द्वारा प्रतिमा को हटाने की चेष्टा के खिलाफ न्यायालय में जाने और वहां से सड़क तक इस लड़ाई को बढ़ाने का कार्य गोरक्षपीठ व पूज्य संत परमहंस रामचंद्र दास जी महराज ने मिलकर किया। इसी का परिणाम है कि पूज्य संतों की साधना फलीभूत हुई और 500 वर्षों का इंतजार समाप्त हुआ। अयोध्या में रामलला विराजमान हुए। देश और दुनिया में अयोध्याधाम फिर से त्रेतायुग का स्मरण कराता दिख रहा है। यहां के संतों का गौरव बढ़ा और अयोध्या को नई पहचान मिली। सीएम योगी ने कहा कि जिस रामजन्मभूमि के बारे में लोग कहते थे कि अगर फैसला राम मंदिर के पक्ष में हुआ तो सड़कों पर खून की नदियां बहेंगी। संतों ने बातचीत से समस्या का हल निकालने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन जब बातचीत के रास्ते समाप्त हो गए और सरकार की हठधर्मिता आड़े आने लगी तो पूज्य संतों ने लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष का रास्ता चुना। इसके उपरांत देश के अंदर मजबूती से आंदोलन आगे बढ़ा। मामला न्यायालय में गया तो भाजपा की डबल इंजन सरकार बनने के उपरांत समस्या के समाधान का मार्ग निकला।

सीएम योगी ने कहा कि 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में पीएम मोदी ने अयोध्या में उच्चतम न्यायालय के आदेश के क्रम में भव्य मंदिर निर्माण कार्य का शिलान्यास व भूमि पूजन किया। 22 जनवरी 2024 को रामलला फिर से अयोध्या धाम में विराजमान हुए। यह तिथियां न केवल सनातन धर्मावलंबियों के लिए स्मरणीय बन गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा जब 22 जनवरी 2024 को रामलला विराजमान हुए तो पूज्य संतों की आत्मा को शांति प्राप्त हुई। उन्हें भी वर्तमान पीढ़ी पर विश्वास हुआ होगा कि यह सही दिशा में कार्य कर रही है। उनका आशीर्वाद पीएम मोदी को प्राप्त हुआ। सीएम ने कहा कि परमहंस रामचंद्र दास जी महराज मेरे पूज्य गुरु के तुल्य थे। गोरखपुर से अयोध्या, लखनऊ और प्रयागराज जाते समय गुरु जी मुझसे पूछते थे कि अयोध्या के दिगंबर अखाड़ा गए थे, परमहंस जी का हालचाल लिया। मैं यदि भूल गया तो वे मुझे डांटते भी थे। कहते थे वह मेरे लिए गुरु भाई हैं। जब भी इस रास्ते जाता था तो मुझे पता था कि मेरे गुरुदेव पूछेंगे कि परमहंस जी की तबियत कैसी है, मेरे पास जवाब नहीं होता था, इसलिए पहले मैं उनके पास पहुंचकर हालचाल लेता था। वह अपने दरवाजे पर बैठकर मस्ती के साथ लोगों से बातचीत करते थे। लोग समझ नहीं पाते थे यह संत दिव्य, भव्य, चमत्कारिक व नेतृत्व करने वाले हैं। उनका वात्सल्य भी हमें देखने को मिलता था। उन्होंने अपना जीवन लक्ष्य, मूल्यों, सनातन धर्म की परंपरा के लिए जिया था। वह कहते थे कि अयोध्या में रामलला का मंदिर बने, यही मेरे जीवन का अंतिम संकल्प है।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में अनेक प्रयास भी किए गए हैं। इसने संतों का गौरव बढ़ाया है और अयोध्यावासियों को पहचान दिलाया है। हमें इस सम्मान को बरकरार रखने का प्रयास करना है। मिले हुए सम्मान को संरक्षित व सुरक्षित करने में हमारा प्रयास सार्थक हुआ तो लंबे समय तक इस सम्मान के पात्र बने होंगे। डबल इंजन सरकार यही कार्य कर रही है। एक तरफ रामजन्मभूमि परिसर में मंदिर का निर्माण हो रहा है। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट जनसहयोग से जनभावना के अनुरूप मूर्त रूप दे रहा है तो बाहर अयोध्या का सुंदरीकरण भी हो रहा है। पांच–सात वर्ष बाद अयोध्या आने वाले लोग अचंभित हैं। यहां इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सौगात मिली है। देश–दुनिया से अयोध्या धाम की कनेक्टिविटी बढ़ी है। रेलवे की बेहतरीन सुविधा प्राप्त हुई है। राम की पैड़ी, मठ–मंदिरों के सुंदरीकरण का कार्य हुआ।

सीएम ने कहा कि हमें जातिवाद व छूआछूत से मुक्त ऐसे समाज की स्थापना करनी है, जिसके लिए प्रभु श्रीराम ने अपना जीवन समर्पित किया था। निषाद राज के नाम पर अयोध्या के यात्री विश्रामालय बन रहे हैं। श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या धाम में महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बना है। यात्रियों के लिए लगने वाले भंडारे की रसोई का नाम माता शबरी के नाम पर है। प्रभु श्रीराम ने सबको जोड़ा था और हमें भी प्रभु राम के मूल्यों–आदर्शों के जरिए उन मार्गों का अनुसरण करना होगा। प्रभु राम का भक्त बनने के लिए हमें भी उनके आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए। कार्यक्रम में दिगंबर अखाड़ा के महंत सुरेश दास, जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य जी महराज, राघवाचार्य जी महराज, धर्मदास जी महराज, विजय कौशल जी महराज, रामलखन दास जी महराज, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मनोहर लाल श्मन्नू कोरीश, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, वेद प्रकाश गुप्त, अमित सिंह चौहान, रामचंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

भाजपा पदाधिकारियों से बोले सीएम योगी, एकजुट होकर चुनाव के लिए करें तैयारी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिले के एक दिवसीय दौरे पर पहुंच गए हैं। पड़ोसी जनपद अयोध्या में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद सीएम दोपहर साढ़े 12 बजे करीब सीधे अकबरपुर हवाई पट्टी आए। यहां उनका एमएलसी हरिओम पांडेय, बीजेपी जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी, जिप अध्यक्ष साधू वर्मा, डीएम अविनाश सिंह, एसपी डॉ कौस्तुभ, पूर्व सांसद रितेश पांडेय आदि ने स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी वीवीआईपी गेस्ट हाउस पहुंचे जहां उन्होंने भाजपा नेताओं के साथ बैठक की।

सीएम ने 40 मिनट तक चली बैठक में कटेहरी उपचुनाव को लेकर ही मुख्य रूप से चर्चा की। उन्होंने जीत के लिए सभी से जुट जाने के लिए कहा। बूथवार तैयारी का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि मतदाताओं से संपर्क साधने को प्राथमिकता दी जाए। उन्हें बताया जाए कि किस तरह उनके हित में काम किए जा रहे हैं।

लेखपाल निलंबित, राजस्व निरीक्षक पर लटकी तलवार

संवाददाता–संतकबीरनगर। मेंहदावल कस्बे के बाराखाल मोहल्ले में लेखपाल व कानूनगो द्वारा जिंदा व्यक्ति को मुर्दा बनाकर दूसरे के नाम भूमि का वरासत करने के मामले में एसडीएम मेंहदावल ने कार्रवाई किया है। मामले में आरोपी लेखपाल हरिशंकर विश्वकर्मा को निलम्बित करते हुए राजस्व निरीक्षक लल्लन प्रसाद के खिलाफ कार्रवाई को लेकर डीएम को रिर्पोट भेजा है। सोमवार को पीड़ित ने डीएम महेन्द्र सिंह तवंर से मुलाकात कर साक्ष्य रखते हुए अपनी पीड़ा सुनाई थी। जिस पर डीएम ने एसडीएम से मामले स्पष्ट आख्या मांगते हुए पत्रावली पेश करने का निर्देश दिया था। जिंदा होते हुए भी कागज में मार दिए गए कस्बे के बाराखाल मोहल्ला निवासी पीड़ित श्रीधर पुत्र मिठाई ने सोमवार को डीएम महेन्द्र सिंह तवंर से मुलाकात करते हुए अपनी पीड़ा सुनाई थी। डीएम को सौंपे प्रार्थना–पत्र में उन्होंने लिखा था कि मोहल्ले में उनके नाम से गाटा संख्या 185 संक्रमणीय भूमि है। जिस पर वह काबिज है। बाराखाल मोहल्ले में ही वह निवास करते हैं। कुछ समय पहले हल्का लेखपाल हरिशंकर विश्वकर्मा तथा राजस्व निरीक्षक लल्लन प्रसाद द्वारा मोहल्ले के कुछ लोगों के साथ मिलकर धोखाधड़ी करते जिंदा रहने के बाद भी कागज में मृतक बना दिया गया। कूटरचित तरीके तीन अन्य लोगों के नाम से भूमि का वरासत कर दिया। मामले का पता चला तो हल्का लेखपाल से शिकायत किया। जिस पर उन्होंने भूमि को कीमती होना बताते हुए वरासत को ठीक कराने के नाम पर दो लाख रुपए रिश्वत की मांग किया जाना लगा। पैसा नहीं देने पर लेखपाल द्वारा भूमि के वरासत में सुधार नहीं किया गया। पीड़ित श्रीधर ने 26 जुलाई को एसडीएम उत्कर्ष सामने पेश होकर अपने जिंदा होने का सबूत देते हुए भूमि के दस्तावेज सौंपने की बात कही थी। कहा था कि बार–बार तहसील का चक्कर काटने के बाद भी कार्रवाई नही की जा रही है। जिस पर डीएम महेन्द्र सिंह तवंर ने मामले को गम्भीर मानते हुए एसडीएम से मामले से जुड़े सभी पत्रावलियों को पेश करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही स्पष्ट आख्या देने को कहा था। डीएम के सख्त तेवर देख मंगलवार को एसडीएम उत्कर्ष श्रीवास्तव ने लेखपाल हरिशंकर विश्वकर्मा को निलम्बित कर दिया। साथ ही राजस्व निरीक्षक पर कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है। जिंदा को मृतक दिखा वरासत करने के मामले में आरोपी लेखपाल हरिशंकर विश्वकर्मा को निलम्बित कर दिया गया है। राजस्व निरीक्षक लल्लन प्रसाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी को रिर्पोट भेजा गया है। पूरे मामले की जांच के लिए नायब तहसीलदार को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नेपाल में बारिश से चंदन व झरही नदी का जलस्तर बढ़ा

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल के पहाड़ों पर हो रही लगातार बारिश से नदियों का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है। ठूठीबारी क्षेत्र में चंदन, झरही व भौरहिया नदी का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया है। पड़ियाताल क्षेत्र में घोला नदी के उफान से धान की फसलें जलमग्न हो गई हैं। पहाड़ी नदियों के बढ़ते जलस्तर को देख सीमावर्ती गांव के लोगों की धड़कनें बढ़ गई हैं। उनको इस बात का डर सता रहा है कि जलस्तर में और अधिक इजाफा हुआ तो पानी बांधों के उपर बहते हुए क्षेत्र में बाढ़ की इबारत लिख सकती है। मंगलवार की रात से पहाड़ों पर हो रही बारिश से पहाड़ी नदी चंदन झरही व भौरहिया नदी खतरे के निशान तक पहुंच गई है। इन नदियों के पानी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

तटीय गांवों में निवास कर रहे लोगों की धड़कनें बढ़ती जा रही हैं। क्षेत्र के पड़ियाताल सिवान में घोला नदी के उफान से किसानों की धान की फसल डूब गई है। चंदन नदी के पानी के उफान से बैरिया सायफन से पानी लगातार गांव की की तरफ बढ़ रहा है। जिससे गांव के लोगो की चिंता बढ़ गई है। इस साल किसान धान का बेहन पहले गिरा दिए और उसकी रोपाई भी कर दिए हैं।

हत्यारोपी महिला का जमानत प्रार्थना पत्र जिला जज ने किया निरस्त

संवाददाता–संतकबीरनगर। हत्यारोपी महिला का जमानत प्रार्थना पत्र जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम की कोर्ट ने निरस्त कर दिया । कोतवाली खलीलाबाद थानाक्षेत्र के महुई हत्याकांड में एक ही परिवार के चार सगे भाई, भाभी और जीजा को धर्मेन्द्र यादव के हत्या का आरोपी बनाया गया है। महिला आरोपी सत्या यादव पर ललकारने का आरोप लगाया है ।

जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि प्रकरण में मृतक धर्मेन्द्र यादव की पत्नी सुमन यादव ने अभियोग पंजीकृत कराया है । उसका आरोप है कि उसके परिवार से गांव के बोधनाथ यादव के परिवार से जमीनी रंजिश है । इसी रंजिश को लेकर गांव के बोधनाथ यादव , इन्द्रजीत यादव , गोरखनाथ यादव व शेषनाथ यादव पुत्रगण रुदल यादव तथा बोधनाथ यादव के जीजा पन्ने लाल यादव पुत्र पारसनाथ यादव निवासी ग्राम बेलाडीह थाना महुली 8 जून 2024 को समय 6 बजे शाम को उसके घर आए तथा हत्या करने के इरादे से पति धर्मेन्द्र यादव को बुलाए कि कुछ बात करनी है । पति घर से बाहर निकले , उसी समय बोधनाथ यादव व इन्द्रजीत यादव ने पति को गोली मार दिया । जिससे वह गिर गए । परिवार के योगेन्द्र , धर्मदेव , सुशील उर्फ रिंकू व बजरंगी बचाने आए तो गोरखनाथ यादव, शेषनाथ यादव व पन्नेलाल यादव जान से मारने के इरादे से तलवार से मारने लगे । बोधनाथ यादव की पत्नी सत्या यादव ललकार रही थी कि सभी की हत्या कर दो ।

कोई बचने न पाए । आरोपी सत्या यादव के जमानत प्रार्थना पत्र का जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव तथा वादिनी के अधिवक्ता सुनील चौधरी ने विरोध किया । जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात आरोपी सत्या यादव का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

निषाद समाज के प्रतिनिधियों से मिले सीएम योगी, बोले– अयोध्या गैंगरेप के आरोपियों को मिलेगी कड़ी सजा

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या सामूहिक दुष्कर्म के मामले में योगी सरकार द्वारा की जा रही कार्रवाई पर निषाद समाज ने संतुष्टि जताई है। बुधवार सुबह निषाद समाज के प्रतिनिधियों ने अयोध्या में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। वहीं मुख्यमंत्री ने भी सभी को आश्वस्त किया कि बालिका के साथ हुए शर्मनाक कृत्य के दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलेगी, इसमें किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। तकरीबन 15 मिनट चली मुलाकात के दौरान निषाद समाज के आधा दर्जन प्रतिनिधियों ने आरोपी सपा नेता के खिलाफ हो रही कार्रवाई को उचित ठहराया। बता दें कि भदरसा कस्बे में नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में फैजाबाद के सांसद अवधेष प्रसाद का करीबी और सपा नेता मुईद खान और उसके नौकर राजू को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान घटना की कठोर शब्दों में भर्त्सना करते हुए दोषियों को न बख्शने की बात कही थी, साथ ही समाजवादी पार्टी की इस बात की निंदा भी की थी कि उनकी ओर से आरोपियों को लेकर सॉफ्ट कार्नर है। वहीं मुख्यमंत्री ने पीड़िता की मां से मुलाकात करके कठोर से कठोर कार्रवाई का भरोसा दिया था। साथ ही सीएम के निर्देश पर राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य ने भी पीड़िता और उसके परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया था। इसके अलावा मुख्यमंत्री की ओर से पीड़िता के परिवार की मदद के लिए तत्काल पांच लाख रुपए की धनराशि मुहैया कराई गई थी। वहीं भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने भी पीड़िता और उसके परिजनों से मुलाकात करके योगी सरकार द्वारा आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का भरोसा दिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर न केवल पूराकलंदर थानाध्यक्ष रतन शर्मा व भदरसा चौकी इंचार्ज अखिलेश गुप्ता को सस्पेंड किया गया, बल्कि मुख्य आरोपी की संपत्ति की जांच भी शुरू की गई। जिसके बाद राजस्व विभाग को मुख्य आरोपी सपा नेता मुईद खान की तकरीबन आधा दर्जन अवैध संपत्तियों का पता लग चुका है। वहीं मुख्य आरोपी की बेकरी पर हुए अवैध निर्माण पर योगी सरकार का बुलडोजर भी चल चुका है। माना जा रहा है जल्द ही उसकी अन्य संपत्तियों पर सरकार का बुलडोजर गरज सकता है। इसके अलावा पीड़िता और उसके परिवार को धमकी देने के मामले भदरसा नगर पंचायत के चेयरमैन सहित तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

योगी सरकार की ओर से दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार की मदद पर संतोष व्यक्त करने पहुंचे निषाद समाज के प्रनिधियों में महंत रामसेवक दास निषाद, अंजू निषाद, दुर्गा प्रसाद निषाद, संदीप निषाद, मंजीत निषाद, आशाराम निषाद और विष्णु निषाद शामिल रहे। अयोध्या में निषाद समाज के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करने के बाद मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया है कि पीड़िता और उसके परिवार की सुरक्षा सरकार के शीर्ष प्राथमिकता पर है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया, श्श्आज श्री अयोध्या धाम में भदरसा क्षेत्र की नाबालिग पीड़िता प्रकरण के विषय में एक सामाजिक प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। आश्वस्त रहें, पीड़िता को हर स्थिति में न्याय दिलाने हेतु हम प्रतिबद्ध हैं। पीड़िता और उसके परिवार की सुरक्षा हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। आपकी सरकार पूरी सक्रियता और संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। मानवता को शर्मसार करने वाली इस घटना के दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई होगी।

सावन कय परत फुहार पहुना झूला झूलय नाय

संवाददाता–अयोध्या। सावन कय परत फुहार पहुना झूला झूलय नाय जैसे बोल से पूरी अयोध्या गूंज रही है ऐसी मनमोहन धुन मन को मंत्र मुग्ध कर रही है और इस वर्ष सावन झूले मेले का रंग और चटक इसलिए दिखाई पड़ रहा है क्योंकि प्रभु श्री राम अपने जन्म स्थान पर 500 वर्षों के संघर्ष के बाद विराजमान हो गए हैं और उनके प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में झूलन महोत्सव पहली बार मनाया जा रहा है जहां अयोध्या के संत महंत इस खुशी में झूम रहे हैं वही देश के कोने–कोने से आने वाले भक्त भी आह्लादित हो रहे हैं की प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलाल के दर्शन के साथ अयोध्या में सदियों से हो रहे झूलन महोत्सव का भी हमें आनंद लेने का अवसर प्राप्त हो रहा है। मां सरयू के पावन तट पर विराजमान रसिकों उपासना की आचार्य पीठ श्री लक्ष्मण किला में सावन शुक्ल पक्ष की तृतीय से ही श्री रसिकेन्द्र बिहारी विहारणी जू सरकार झूले पर विराजमान हो गए और झूलनोत्सव आध्यात्मिक महफिल शाम से ही सजा जाती है जो 19 अगस्त श्रावण पूर्णिमा तक चलती रहेगी और मधुर स्वर की गूंज मंदिर परिसर के साथ पूरे मोहल्ले में सुनाई देने लगती है।

ऐसी आध्यात्मिक महफिल कहीं–कहीं सजती है जो विविधता में एकता को समेटे हुए है और देश के कोने–कोने से आए भक्तों श्रद्धालुओं एवं संत महंत इस अनुपम संगीत को सुनकर भाव विभोर हो उठते हैं और प्रतिदिन पूरी शिद्दत के साथ पूर्णिमा तक सुनते ही रहते हैं। श्री लक्ष्मण किला धीश महंत मैथिली रमण शरण महाराज ने बताया कि मंदिर की परंपरा के अनुसार सावन शुक्ल पक्ष की तृतीय से मंदिर में झूलन महोत्सव प्रारंभ हो जाता है जिसमें दर्जनों कलाकार प्रतिदिन ठाकुर जी के सामने अपनी कला की प्रस्तुति करते हैं, यह उत्सव ठाकुर जी को प्रसन्नता प्रदान करने के लिए होता है यह परंपरा कितनी पुरानी है इसका कहना कठिन है लेकिन रसिकों के लिए अपने आराध्य ठाकुर जी को रिझाने का अवसर यह महोत्सव प्रदान करता है। श्री लक्ष्मण किला के अधिकारी सूर्य प्रकाश शरण ने सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार किया और बताया कि प्रतिदिन देर रात तक मंदिर में उत्सव मनाया जाता है जिसमें भारी संख्या में लोग सम्मिलित होते हैं।

एमएमएमयूटी: दो छात्राओं को समान अंक, टाईब्रेकर में हुआ टॉपर का फैसला

संवाददाता–गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 29 अगस्त को आयोजित होने वाले 9वें दीक्षांत समारोह से टॉपर्स लिस्ट तैयार करने के दौरान अनोखा मामला सामने आया है। बीटेक सिविल इंजीनियरिंग की दो छात्राओं को एक समान अंक मिले थे। टाईब्रेकर में इसका फैसला किया गया। बीटेक में पहली बार टाईब्रेकर में पहुंचे इस केस में पल्लवी सिंह सिविल इंजीनियरिंग विभाग की टॉपर बनी हैं। एमएमएमयूटी में सत्र 2023–24 में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में दो छात्राओं क्रमशरू पल्लवी सिंह और निधि मिश्रा ने एक समान 9.13 सीजीपीए प्राप्त किया था। किसी एक को विद्यार्थी को ही टॉपर घोषित किया जाता है। इसे देखते हुए कुलपति प्रो. जेपी सैनी के संज्ञान में यह मामला लाया गया। कुलपति ने इसके लिए चार सदस्यीय समिति गठित की थी। समिति में प्रो. एएन तिवारी, प्रो. एसपी सिंह, डॉ राजन मिश्र और डॉ हरीश चन्द्र शामिल थे। समिति ने अपनी रिपोर्ट विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंप दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने रिपोर्ट के आधार पर टॉपर के रूप में पल्लवी सिंह को चुना है। रिपोर्ट के मुताबिक पल्लवी सिंह ने विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था, जबकि निधि मिश्रा ने लेटरल एंट्री के जरिए दूसरे वर्ष में प्रवेश लिया था। दोनों के बीटेक में समान अंक होने के कारण द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष के प्राप्तांक का मिलान किया गया। इसमें पल्लवी सिंह को अधिक अंक मिले थे। इसके बाद पल्लवी को टॉपर घोषित कर दिया गया। समिति ने सिफारिश की थी कि समान अंक होने पर अंतिम तीन वर्ष का परिणाम देखा जाए। इसमें भी टाई हो जाने पर प्रैक्टिकल वाले विषय का अंक हटाकर थ्योरी के अंकों के आधार पर टॉपर घोषित किया जाए। वहां भी रिजल्ट टाई हो जाने पर इलेक्टिव पेपर को हटाकर प्राप्तांक का मिलान हो। एमएमएमयूटी में बीटेक में टाईब्रेक से टॉपर चुने जाने का यह पहला मामला है। इसके पहले वर्ष 2022 में एमटेक में टाईब्रेकर से टॉपर का चयन किया गया था। तब दोनों विद्यार्थियों के एक समान अंक होने पर पहले, दूसरे और तीसरे सेमेस्टर के अंकों के आधार पर टॉपर चुना गया था। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग की उदिशा सिंह बीटेक की ओवरऑल टॉपर बनी हैं। उन्हें बीटेक में कुल 9.40 सीजीपीए प्राप्त हुआ है। ओवरऑल टॉपर बनने पर विश्वविद्यालय का कुलाधिपति पदक उदिशा सिंह को मिलेगा। इसके अलावा कुलपति पदक समेत आधा दर्जन पदक भी मिलेंगे। एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो जेपी सैनी ने बताया कि सिविल में दो छात्राओं को एक समान अंक मिले थे। इसे देखते हुए समिति गठित की गई थी। टाईब्रेकर में समिति की रिपोर्ट के आधार पर टॉपर का फैसला किया गया।

आईजीआरएस रैंकिंग में महराजगंज पुलिस प्रदेश में अव्वल

संवाददाता–महराजगंज। जन शिकायतों की सुनवाई के बाद प्रभावी कार्रवाई व पीड़ितों की संतुष्टि ने महराजगंज पुलिस को जुलाई माह की आईजीआरएस रैंकिंग में प्रदेश में पहला स्थान दिलाया है। गोरखपुर जोन के सभी जिले की पुलिस रैंकिंग में महराजगंज पुलिस से पीछे रह गई है। एसपी सोमेन्द्र मीना ने इस उपलब्धि पर पुलिस कर्मियों की सराहना करते हुए बधाई दी। साथ ही साथ यह भी कहा कि रैंकिंग ने जिम्मेदारियों को और बढ़ा दिया है। थाना से लेकर सभी सीओ व पुलिस कार्यालय आने वाले शिकायती पत्रों के गुणदोष के आधार पर समयबद्ध निस्तारण के साथ–साथ पीड़ितों की संतुष्टि जरूरी है। जिले में आईजीआरएस समेत सभी माध्यम से जुलाई माह में 16 सौ शिकायतें महराजगंज पुलिस को मिली थी। शिकायतों के निस्तारण की नियमित मानीटरिंग से आईजीआरएस रैंकिंग में महराजगंज पुलिस प्रदेश के सभी जिलों को पछाड़ते हुए शीर्ष पर पहुंच गई है। एसपी सोमेन्द्र मीना ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि वह शिकायतकर्ताओं से अच्छा तालमेल कर उनकी शिकायतों का नियमों के तहत निस्तारित कराएं।

आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण को लेकर प्रदेश स्तर पर जो रैंकिंग तैयार की गई है उसमें महराजगंज जिले को छोड़ गोरखपुर मंडल के अन्य जिले टॉप–10 में भी नहीं है। कुशीनगर जिले को रैंकिंग में 42वां स्थान, देवरिया 70 एवं गोरखपुर पुलिस 72वें स्थान पर है। महराजगंज पुलिस को मिले शिकायती पत्रों पर कार्रवाई की निगरानी के लिए मानीटरिंग सेल बना है। इसमें कई पुलिस कर्मी तैनात हैं। यह सभी शिकायतों की सूची लेकर पीड़ितों को फोन करते हैं। शिकायतों पर कार्रवाई व निस्तारण पर फीड बैक लेते हैं।

समय से हुई जानकारी तो खाते से पैसा वापस कराने की होती है गारंटी

संवाददाता–गोरखपुर। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि साइबर जालसाजी की समय से जानकारी होने पर पीड़ित का पैसा वापस कराया जा रहा है। हालांकि, अपराधियों को पकड़ पाना पुलिस के लिए अब भी चौलेंज है। साइबर अपराधी देश के अलग–अलग हिस्सों के साथ ही विदेश से कॉल कर जालसाजी कर रहे हैं। उनसे बचने के लिए जागरुकता ही कारगर हथियार है। अगर, हम जागरुक और सतर्क हैं तो हम उन्हें हरा सकते हैं। उनका मनोबल पैसा ट्रांसफर कराने से ही बढ़ता है। वह म्यूल एकाउंट में पैसा ट्रांसफर कराते हैं, एकाउंट होल्डर पकड़ा जाता तो भी कुछ हासिल नहीं होता, कई बार तो उसे पता नहीं होता कि उसका खाता जालसाजी के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। मूल जालसाज तक पहुंच पाना आसान नहीं होता है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि इन दिनों कई तरीके से फ्राड किए जा रहे हैं। इनमें हाल में पार्सल से जुड़े फ्राड सबसे ज्यादा हो रहे हैं। नारकोटिक्स, सीबीआई, ईडी, कस्टम आदि विभाग और एजेंसियों का नाम लेकर जालसाज दबाव में ले रहे हैं। आधार कार्ड इस्तेमाल होने की बात कहकर जाल में फंसा रहे हैं। फिर खुद ही इससे निकलने का रास्ता बताकर पैसा ट्रांसफर करा ले रहे हैं। फ्राड करने वाले इतने दूर होते हैं कि कभी–कभी जानकारी के बाद भी उन तक पहुंच पाना आसान नहीं होता है। विदेश तक से कॉल आ रही हैं। एसपी सिटी ने शहर के एक डॉक्टर के पास आई कॉल का हवाला देकर बताया कि उनके पास पाकिस्तान से कॉल आई थी।

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84
साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार
स्वत्वाधिकारी भारतीय बस्ती प्रकाशन की ओर से प्रकाशक एवं सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से प्रकाशित और मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित।
सम्पादक–दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिलीप चन्द्र पाण्डेय
मो.०६४५०५६७४५०
Email- Awazdarpan@yahoo.com